राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 350
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 01 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 केजरीवाल अगर इतने ईमानदार हैं तो उपराज्यपाल की जांच के आदेशों से बौखला क्यों रहे हैं : आदेश गुप्ता
पेज 5 यूपी के कॉलेजों में लेटलतीफी और गैरहाजिरी पर नकेल, चेहरे से होगी अटेंडेंस, तैयारियां पूरी
पेज 7 पाकिस्तान में पेपर संकट के चलते किताबें भी नहीं छप रहीं, क्या करेंगे छात्र

एकनाथ शिंदे बने महाराष्ट्र के 20वें सीएम

बाला साहेब को याद कर शपथ ली, फडणवीस बने डिप्टी

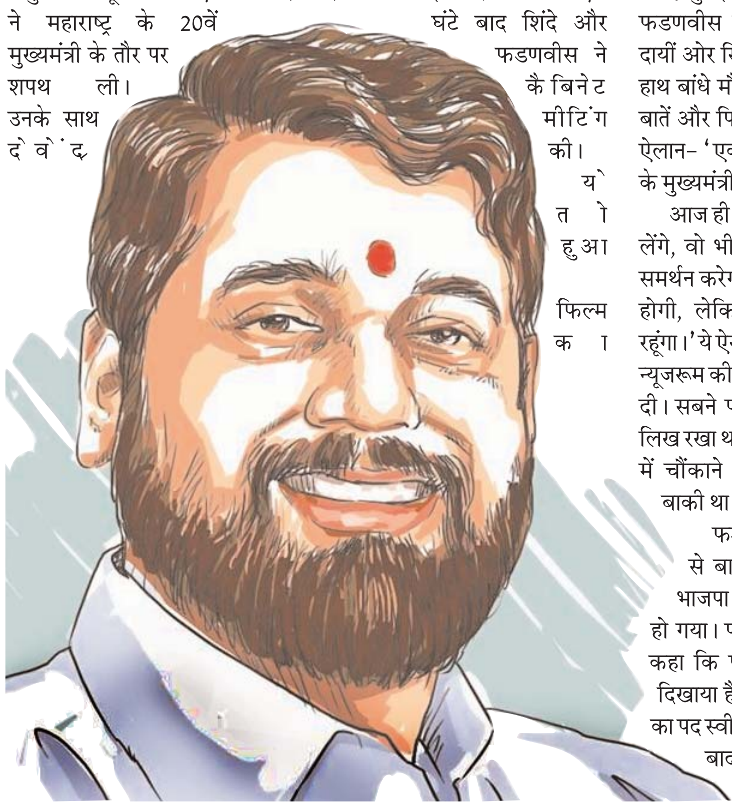

मुंबई। सियासी फिल्म के 11वें दिन की शाम... अटकलों और अनुमानों पर पूर्ण विराम। एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उनके साथ देवेंद्र फडणवीस ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों को बधाई भी दी। शपथ के एक घंटे बाद शिंदे और फडणवीस ने कैबिनेट मीटिंग की। ये तो हुआ फिल्म का क्लाइमैक्स... लेकिन अब इससे पहले के सीन पर भी नजर डाल लीजिए... जगह मुंबई। काले माइक के सामने फडणवीस बोलते हुए और उनकी दायीं ओर सिर पर लाल टीका लगाए हाथ बांधे मौन बैठे शिंदे। कुछ पुरानी बातें और फिर सीधे हीरो के नाम का ऐलान- 'एकनाथ शिंदे होंगे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री।

आज ही शाम साढ़े सात बजे शपथ लेंगे, वो भी अकेले। भाजपा उनका समर्थन करेगी। सरकार में शामिल भी होगी, लेकिन मैं सरकार से बाहर रहूंगा।' ये ऐसी घोषणा थी जिसने सभी न्यूजरूम की बनी-बनाई खबर बिगाड़ दी। सबने फडणवीस को मुख्यमंत्री लिख रखा था। हमने भी, लेकिन खबर में चौंकाने वाला एंगल आना फिर बाकी था।

फडणवीस ने जैसे ही सरकार से बाहर रहने की बात कही, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व सक्रिय हो गया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि फडणवीस ने बड़ा दिल दिखाया है। अब उन्हें डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करना चाहिए। इसके बाद अमित शाह ने कहा कि फडणवीस सरकार में शामिल होने के लिए मान गए हैं। इसके बाद फौरन राजभवन में दो की जगह तीन कुर्सी लगाई गई।

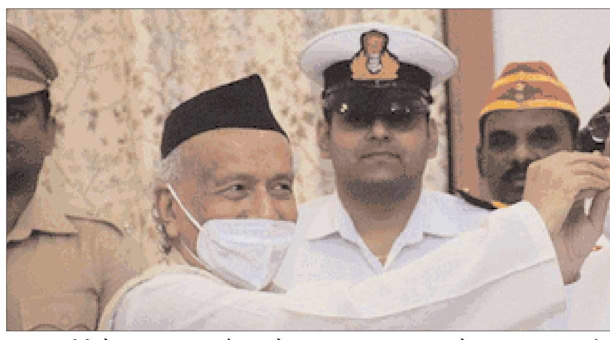

मोदी बोले- फडणवीस भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई सरकार को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा- देवेंद्र फडणवीस जी को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम के रूप में शपथ लेने पर बधाई। वह हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा हैं। उनका अनुभव और विशेषज्ञता सरकार के लिए एक संपत्ति होगी। मुझे विश्वास है कि वह महाराष्ट्र के विकास पथ को और मजबूत करेंगे। मनसे प्रमुख राज ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी नए मुख्यमंत्री शिंदे को बधाई दी है।

शाह और नड्डा ने फडणवीस के सरकार में शामिल होने की पुष्टि की

महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री की घोषणा और फडणवीस के सरकार में शामिल नहीं होने के ऐलान के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मीडिया के सामने आए और फडणवीस को बड़े दिल वाला नेता बताया। उन्होंने फडणवीस से गुजारिश की कि वे नई सरकार में शामिल हों और डिप्टी सीएम की कुर्सी संभालें। नड्डा ने इसके बाद कहा कि केंद्रीय नेतृत्व का भी ये निर्देश है कि देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम पद की शपथ लें।

इधर, नड्डा के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी फडणवीस के सरकार में शामिल होने की पुष्टि की है। इसके बाद फडणवीस ने भी ट्वीट कर लिखा- एक कार्यकर्ता के नाते पार्टी के आदेश का मैं पालन करता हूं। जिस पार्टी ने मुझे सर्वोच्च पद तक पहुंचाया, उसका आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है।

शिंदे बोले- भाजपा ने बड़ा दिल दिखाया

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने कहा- बाला साहेब के हिंदुत्व और राज्य के विकास के एजेंडे के साथ हम साथ आए हैं। हम पिछली सरकार में रहते हुए भी कुछ कर नहीं पा रहे थे। इसमें किसी का कोई स्वार्थ नहीं है। बड़ी पार्टी होते हुए भी बीजेपी ने मुझे मौका दिया। देवेंद्र जी ने बड़ा दिल दिखाया।

इसके लिए देवेंद्र जी का शुक्रगुजार हूं। मैं पीएम नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री अमित शाहजी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का शुक्रगुजार हूं।

विधायकों को खरोंच भी नहीं आने दूंगा

देवेंद्र जी कैबिनेट में नहीं होंगे, लेकिन हमें मार्गदर्शन देते रहेंगे। एक तरफ बड़े-बड़े नेता हैं दूसरी तरफ एकनाथ शिंदे जैसे कार्यकर्ता को मौका दिया जा रहा है। एक मजबूत सरकार हम लोगों को देखने को मिलेगी। यह सरकार देश में एक मिसाल होगी। सहयोगियों को भी धन्यवाद देता हूं। मैं छोटा कार्यकर्ता हूं, लेकिन 50 विधायकों ने मुझमें जो भरोसा दिखाया है। उस भरोसे को मैं एक खरोंच भी नही आने दूंगा। केंद्र सरकार महाराष्ट्र को मदद करेगी। इससे राज्य का विकास होगा।

फडणवीस बोले- सत्ता के लिए पाला बदला

राजभवन में फडणवीस ने मीडिया से कहा कि जनता ने महाविकास अघाड़ी को बहुमत नहीं दिया था। चुनाव के बाद भाजपा सबसे बड़ी पार्टी थी। शिवसेना ने हमारे साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन शिवसेना ने कांग्रेस और ह्रष्टक्र के साथ मिलकर सरकार बना ली। सत्ता के लिए बाला साहेब ठाकरे के विचारों को भी ताक पर रख दिया।

आंध्र प्रदेश : हाईटेंशन लाइन गिरने से 7 की मौत

आंध्र प्रदेश में ऑटो पर गिरा बिजली का तार, मजदूरों की जान गई

सत्यसाई । आंध्र प्रदेश के सत्यसाई जिले में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक ऑटो पर हाईटेंशन वायर गिरने से उसमें आग लग गई। ऑटो में खेतों में काम करने जा रहे मजदूर बैठे थे। इनमें से 7 की झुलसकर मौत हो गई, एक की हालत गंभीर है। ड्राइवर और 5 अन्य सवारियों ने ऑटो से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने बताया कि पास के गांव के किसान ने मजदूरों को बुलाया था। ये सभी एक सेवन सीटर ऑटो में बैठकर जा रहे थे। अचानक बिजली का तार गिरा और

ऑटो में आग लग गई। तड़ीमारी मंडल के चिल्लाकोंडायपल्ली गांव के पास हादसा हुआ, जब पुलिस पहुंची तो 7 लोग जिंदा जल चुके थे। पुलिस के मुताबिक, सभी मजदूर थे। खेतों पर काम करने जा रहे थे। लक्ष्मी नाम की एक महिला को बचा लिया गया है, लेकिन उसकी हालत नाजुक है। मरने वाले गुड्डमपल्ली गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। ड्राइवर ने कूदकर जान बचाई।

मृतक के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 18 हजार से अधिक मामले

नयी दिल्ली। भारत में सक्रिय मामलों की संख्या 104555 है, जिनमें पिछले 24 घंटे में 18,819 का इजाफा हुआ है। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण से 39 और मरीज जिंदगी की जंग हार गये और इसी के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 525116 तक पहुंच गई है। इसी समयावधि में कुल 13827 मरीज कोरोना को मात देकर पूरी तरह से ठीक भी हुए हैं, जिसके साथ ही ठीक होने वालों का आंकड़ा 42822493 तक पहुंच गया। नये आंकड़ों के साथ देश में सक्रिय मामलों की दर 0.24 प्रतिशत, स्वस्थ होने की दर 98.55 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.21प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकडों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 452430 कोरोना टेस्ट किये गये जिससे अब कुल टेस्ट की संख्या 86.23 करोड़ हो गई है।

लैंडस्लाइड में धंसा आर्मी कैंप

मणिपुर की टेरिटोरियल आर्मी के 30 से 40 जवान मिट्टी में दबे, 13 शव निकाले गए

मणिपुर। मणिपुर में कई दिनों से जारी बारिश की वजह से लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आ रही है। बुधवार रात नोनी जिले के तुपुल रेलवे स्टेशन के पास हुए लैंडस्लाइड की चपेट में 107 टेरिटोरियल आर्मी का कैंप आ गया। इस हादसे के बाद दर्जनों जवान मिट्टी में दब गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक 13 जवानों के शव बाहर निकाले जा चुके हैं, जबकि 19 जवानों को रेस्क्यू किया गया है। वहीं, 30-40 से ज्यादा अभी दबे हुए हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह से बात कर स्थिति की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बीरेन सिंह ने इस

हादसे को लेकर एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। घायलों की मदद के लिए डॉक्टरों की एक टीम मौके पर रवाना हो गई है।

आम लोगों के भी दबे होने की आशंका

घायलों को इलाज के लिए नोनी आर्मी मेडिकल यूनिट लाया गया है। भूस्खलन के वजह से इजाई नदी का प्रवाह प्रभावित हुआ है। यह नदी तामेंगलोंग और नोनी जिलों से होकर बहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ नागरिकों के भी मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी का कहना है कि खराब मौसम की वजह से रेस्क्यू मिशन में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सेना के हेलिकॉप्टर भी मौके पर पहुंच चुके हैं।

निकाले इलाकों में तबाही का खतरा

जिला प्रशासन आस-पास के ग्रामीणों को सावधानी बरतने और जल्द से जल्द जगह खाली करने की एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि मलबे की वजह से इजाई नदी ब्लॉक हो गई है। जिससे एक ही जगह पर जल भराव के कारण बांध जैसी स्थिति बन गई है। अगर यह टूट गया तो निचले इलाकों में और ज्यादा तबाही मच सकती है। असम और मणिपुर समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात बने हुए हैं।

'आसमानी' पानी से नहाई दिल्ली

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में गुरुवार को लोगों को 'आसमानी पानी' ने भीषण गर्मी और उमस से निजात दिलाई और सुहावने मौसम का आनंद लेने के लिए लोग घरों से बाहर निकले इस दौरान हालांकि जगह-जगह यातायात जाम और जल भराव की समस्या से भी लोगों को दो-चार होना पड़ा। मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत की घोषणा की, जिसके बाद आज सुबह राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभााग ने ट्वीट किया, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून गुरुवार, 30 जून, 2022 को पूरे उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर, राजस्थान के कुछ हिस्सों, पूरी दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। राष्ट्रीय राजधानी में जगह-जगह ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग ने धूल भरी तेज हवाओं के साथ मध्यम तीव्रता की बारिश की भविष्यवाणी की है। विभाग के अनुसार, शहर में न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य मौसम का औसत तापमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह साढ़े आठ बजे 80 प्रतिशत दर्ज की गई। शहर में अधिकतम तापमान 35 के आसपास रहने की संभावना है।

उदयपुर में कन्हैया की हत्या के बाद यूपी में प्रदर्शन

20 शहरों में हिंदू संगठन सड़क पर उतरा, नोएडा में हत्या के समर्थन में पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

मेरठ। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैया हत्याकांड के बाद यूपी के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन हुए। मेरठ, प्रयागराज, बरेली समेत करीब 20 शहरों में हिंदू संगठन के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। राजस्थान सरकार के पुतले जलाए।

कन्नौज में पुतला फूंकने को लेकर पुलिस और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं में नोकझोंक हो गई। कार्यकर्ताओं ने कन्हैया के हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की।

डीएम और पुलिस के अफसरों को राजस्थान सरकार को बर्खास्त करने को लेकर ज्ञापन दिए।

उदयपुर की घटना समर्थन करने वाले आसिफ को नोएडा पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। वह मुजफ्फरनगर का रहना वाला है। गांव में ही मैकेनिक का काम करता है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। आरोपी 505 (2) धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर टीम आरोपी की आईडी की जांच करेगी।

एडीजी लॉ एंड आर्डर ने जुलूस पर लगाया था बैन

हिंदू युवा वाहिनी, शिवसेना, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए नजर आए।

इसकी आशंका शासन को पहले से थी। इसलिए एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने जुलूस पर बैन लगाया था।

रसोई गैस सिलेंडर कीमत को लेकर राहुल का मोदी पर कड़ा हमला

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम में भारी वृद्धि को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा हमला करते हुए गुरुवार को कहा कि श्री मोदी नकली आंसू बहाने में माहिर हैं और जनता के दुख दर्द से उनका कोई लेना देना नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उज्ज्वला योजना को लेकर श्री मोदी ने तो भावुक बातें कहीं और जितने आंसू बहाये वे सब नकली थे। उनका कहना था कि सूचना के अधिकार के तहत मिली एक जानकारी के अनुसार सिलेंडर की कीमत बहुत ज्यादा होने के कारण देश में 3.59 करोड़ ग्राहकों ने रसोई गैस सिलेंडर नहीं भरवाया है। रसोई गैस सिलेंडर कीमत आज 1000 से ज्यादा हो चुकी है। गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट अपने इस संदेश में कहा, मई 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत हुई। पेट्रोल पंप से लेकर अख़बार तक, इस योजना पर करोड़ों रूपए ख़र्च किये गए फ़िर 10 अगस्त, 2021 को उज्ज्वला 2.0 का लॉन्च कर फ़िर से जनता के टैक्स के पैसों से विज्ञापनों पर करोड़ों उड़ाए गए।

कन्हैयालाल हत्या

सीएम ने की परिवार से मुलाकात; एसएचओ और एसआई सस्पेंड

कन्हैयालाल के हत्यारे 14 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में

एजेंसी

उदयपुर। उदयपुर में कन्हैयालाल साहू के हत्यारों को उदयपुर जिला अदालत ने 14 दिन की ज्युडिशियल कस्टडी में भेज दिया है। अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी इन हत्यारों को जयपुर NIA कोर्ट में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड मांग सकती है। NIA इन आरोपियों को दिल्ली नहीं ले जाएगी।

राजस्थान पुलिस ने गुरुवार शाम को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोनों हत्यारों को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट में वकीलों ने दोनों आरोपियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

उदयपुर में कन्हैयालाल साहू के मर्डर के मामले में अब एक नई थ्योरी भी सामने आ रही है। हत्यारों के आतंकी कनेक्शन को लेकर राजस्थान सरकार और NIA अलग-अलग दावे कर रही है। घटना की जांच हाथ में लेने के बाद NIA ने दावा किया है कि फिलहाल हत्यारों का किसी आतंकी संगठन से लिंक सामने नहीं आया है। जबकि एक दिन पहले राजस्थान सरकार ने दावा किया था कि दोनों अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़े हुए थे।

इससे पहले उदयपुर में आतंकियों के हाथों मारे गए कन्हैयालाल के घरवालों से गुरुवार को राजस्थान के ष्टरूअशोक गहलोत ने मुलाकात की।

गहलोत ने कन्हैयालाल के घरवालों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गहलोत ने मीडिया से कहा- NIA एक महीने के अंदर इस केस में जल्दी सजा दिला दे। NIA को समझना चाहिए कि प्रदेश के लोगों की भावना क्या है? कन्हैया को सुरक्षा दी गई या नहीं, क्या कमी रही, सभी चीजें NIA की जांच में सामने आ जाएगी। NIA की जांच पर भरोसा करना चाहिए, जांच निष्पक्ष होगी, हम पूरा सहयोग करेंगे। इस घटना ने देश को हिला दिया है।

कन्हैया के बेटे हर्ष साहू ने बताया कि सीएम ने आश्वासन दिया कि इन लोगों को फांसी होनी ही है। एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने का भी आश्वासन दिया है। पहले जो जांच हो रही थी, उससे हम संतुष्ट नहीं थे, मगर अब जो पिछले 2-3 दिन से जांच हो रही है, उससे हम संतुष्ट हैं।

हर्ष ने कहा कि अब हमारे मन में कोई डर नहीं, सभी लोग साथ हैं। CM, CS और DGP के साथ बैठक करेंगे व फिर थाने को लेकर कार्रवाई पर निर्णय किया जाएगा। हर्ष ने बताया कि ष्टरूने उन्हें कहा कि मैं आपके साथ हूं, किसी भी समय आकर आप मिल सकते हो।

इधर, राज्य सरकार ने उदयपुर के धानमंडी थाने के SHO और SI को सस्पेंड कर दिया गया है, बाकी पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया जा सकता है। वहीं राजस्थान में गुरुवार को भी इंटरनेट बंद रहने के आसार हैं। जयपुर, अजमेर संभाग में गुरुवार शाम 5 बजे तक नेटबंदी की घोषणा कर दी गई है।

तिहाड़ जेल के कैदियों की शिक्षा को लेकर कार्य योजना बनाएगी सरकार : सिसोदिया

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार तिहाड़ जेल के बंदी को जेल से बाहर होने के बाद समाज के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने में मदद करने व उनके अपस्किलिंग के लिए उन्हें स्किल ट्रेनिंग व शैक्षिक सहायता प्रदान करेगी।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा,हमारी सरकार का मानना है कि सही शिक्षा ही एकमात्र तरीका है जिसके माध्यम से लोगों में सकारात्मक व ग्रोथ माइंडसेट को विकसित किया जा सकता है और उन्हें बेहतर व सार्थक जीवन जीने में मदद कर सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में तिहाड़ जेल में करीब 20,000 इनमेट्स (बंदी) हैं जो अपनी सजा काट रहे हैं और जेल में ही किसी तरह के स्किल

बेस्ड वर्कशॉप में शामिल हैं, जो अच्छी बात है। लेकिन हमें जेल के इनमेट्स की अपस्किलिंग करने और उन्हें शिक्षित करने की जरुरत है, उन्हें प्रशिक्षित करने की जरुरत है। ताकि जब वे अपनी सजा पूरी करने के बाद जेल से बाहर आए तो दोबारा अपराधी गतिविधियों में संलिप्त होने के बजाय अपने स्किल ट्रेनिंग का इस्तेमाल एक बेहतर जीवन जीने के लिए कर सकें।

उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट के तहत हमारे टीचर्स जेल के इनमेट्स के स्किल्स और शैक्षिक स्तर का आकलन करेंगे और उसके बाद उनके लिए कुछ नए कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे। केजरीवाल सरकार की यह परियोजना जेल के इनमेट्स को जेल से बाहर आने के बाद बेहतर और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देगी। क्योंकि यह जेल के इनमेट्स के भविष्य से संबंधित है।

श्री सिसोदिया ने शिक्षकों को बेहद संवेदनशीलता के साथ मूल्यांकन की प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक अध्ययन के दौरान इनमेट्स का साक्षात्कार करते समय यह सुनिश्चित करें कि वे उनके अनूठे कौशलों का पता लगाने के साथ भविष्य में काम करने के लिए इनमेट्स की रुचि के क्षेत्रों का भी पता लगा सकें।

शार्ट न्यूज

सिंगापुर के तीन उपग्रहों को लेकर पीएसएलवी सी-53 ने भरी उड़ान

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के सेकेंड लॉन्च पैड से भारतीय प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी 53 ने सिंगारपुर के तीन उपग्रहों को लेकर गुरुवार शाम छह बजकर दो मिनट पर अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरी। पच्चीस घंटे के सुचारू काउंट डाउन के बाद चार चरण वाले 44 4 मीटर लंबे प्रक्षेपण यान ने 228.433 टन वजन के साथ धरती को कंपाते और नारंगी रंग का गुब्बार उड़ाते हुए जबरदस्त गर्जना के साथ आकाश की ओर यात्रा शुरू की।

ग्रंथी सिंह प्रतिदिन गुरुद्वारा साहिब में बच्चों को गुरमत प्रशिक्षण दें : ज्ञानी हरप्रीत सिंह

मानसा। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने गुरुवार को कहा कि बच्चों को सिख धर्म से जोड़ने के लिए गुरमत प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की बहुत आवश्यकता है, ताकि बच्चों को उनके इतिहास और विरासत से अवगत कराया जा सके। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के क्षेत्र सदस्य गुरप्रीत सिंह झब्बर के प्रयास से मानसा जिले के जोगा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बच्चों को गुरमत (सिख गुरुओं की शिक्षा) से जोड़ने के लिए आयोजित एक माह के गुरमत प्रशिक्षण शिविर के समापन पर आज गुरुद्वारा भाई बहलो जी फाफरे भाईके में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि बच्चों को सिख धर्म से जोड़ने के लिए इस तरह के शिविर आयोजित करने की बहुत आवश्यकता है, ताकि बच्चों को उनके इतिहास और विरासत से अवगत कराया जा सके। उन्होंने शिविरों में सहयोग के लिए ग्रंथी सिंह को बधाई देते हुए कहा कि यदि प्रत्येक ग्रंथी सिंह गुरुद्वारा साहिबों के अंदर बच्चों के लिए दैनिक गुरमत की कक्षाएं आयोजित करता है तो अगली पीढ़ी को आसानी से सिख सिद्धांतों में दृढ़ बनाया जा सकता है।

उदयपुर घटना के विरोध में दो जुलाई को रहेगा अलवर बंद

अलवर। राजस्थान में उदयपुर घटना के विरोध में दो जुलाई को अलवर बंद रहेगा। शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों एवं सर्वसमाज की और से आज यहां आयोजित बैठक में घटना की निंदा करते हुए एकमत होते हुए दो जुलाई को अलवर बंद का आह्वन किया गया। बैठक में मौजूद व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी एवं सर्व हिन्दू समाज के प्रमुख लोगों ने आपसी विचार विमर्श कर बंद का आह्वान किया। बंद के दौरान सर्व समाज लोग, हिन्दूवादी संगठन एवं व्यापारी समाज होपसर्कस पर उदयपुर में हुई घटना का पुरजोर विरोध करेंगे। अलवर बन्द का अलवर फल सब्जी आढ़ती यूनियन ने भी पूरा समर्थन किया है। यूनियन के अध्यक्ष देवेंद्र छाबड़ा ने बताया कि यूनियन इस बन्द का समर्थन करती है। यूनियन की आज हुई कोर कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से बंद का समर्थन करने पर निर्णय लिया गया हैं। उन्होंने बताया कि बन्द के दौरान थोक फल सब्जी मंडी में किसी भी प्रकार की कृषि उपज की खरीद फरोख्त नही की जावेगी।

गहलोत कर रहे हैं तुष्टिकरण की राजनीति : तिवाड़ी

जयपुर। राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाडी ने राज्य की कांग्रेस सरकार को हिन्दू विरोधी सरकार बताते हुए आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश में तुष्टिकरण की राजनीति करके अपनी विफलताओं के लिए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व पर अर्नगल आरोप लगाते हैं जिसे राज्य की जनता भलीभांति समझ चुकी है। श्री तिवाड़ी ने आज यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने उदयपुर हत्याकांड को लेकर कांग्रेस की मौजूदा सरकार पर सवाल खड़े करते हुए मौजूदा प्रशासन का इकबाल खत्म हो जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों ने आज अपने प्रतिष्ठान को पूर्णतया बंद रख सरकार की विफलताओं पर अपना मौन प्रतिरोध जताया। उन्होंने कांग्रेस के शासनकाल में हुई 25 आपराधिक घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति करने का नया आयाम स्थापित किये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी अनैक घटनाएं है जो इस बात को प्रमाणित करती है कि पुलिस के आला अफसरों द्वारा समाजकंटकों पर की गई कार्यवाही के उपरांत अपने मंत्रियों के दबाव के चलते उन्हीं समाजकंटकों से पुलिस आला अधिकारियों द्वारा माफी मांगने के आदेश देने से पुलिस महकमें का मौरल डाउन होता जा रहा है। उन्होंने उदयपुर जघन्य हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवादी संगठनों के द्वारा वीडियों पर हत्या की धमकी देने की ऐसी घटना का उदाहरण पूरे विश्व में सीरिया, मिस्र, फ्रांस के बाद राजस्थान में होना राज्य के इंटेलिजेंस का विफल हो जाने का है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था एवं इंटेलिजेंस पूरी तरह विफल : पूनियां

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रदेश में राज्य सरकार पर कानून व्यवस्था और इंटेलिजेंस के पूरी तरह विफल हो जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार के पुलिस प्रशासन एवं मुखिया ने कन्हैयालाल को समय रहते सुरक्षा देने की बात को गंभीरता से नहीं लिया। डा पूनियां ने उदयपुर हत्याकांड पर अपने बयान में आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि श्री कन्हैयालाल ने जब सुरक्षा मांगी तो उन्हें और उनके परिवार को समय पर सुरक्षा दी जाती तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आज उदयपुर जाकर रश्म अदायगी करने की जरूरत नहीं पड़ती और यह नौबत नहीं आती लेकिन राज्य सरकार के पुलिस प्रशासन और राज्य के मुखिया ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के अंतर्कलह एवं अंतरविरोध के कारण न केवल प्रदेश के विकास कार्य ठप हैं बल्कि कानून व्यवस्था और इंटेलिजेंस भी पूरी तरह विफल हैं। श्री गहलोत गृहमंत्री के नाते भी प्रदेश की जनता, बहन-बेटियों को जनसुरक्षा देने में भी पूरी तरह असफल हैं और इसी के कारण प्रदेश न केवल माफियाओं से पीड़ित है बल्कि साढ़े तीन साल में कांग्रेस के कुशासन में मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण प्रदेश आतंकवादियों की सैरगाह बन चुका है।

शांति एवं सद्भाव के लिए सभी लोगों को आना चाहिए आगे-गहलोत

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर घटना के बाद उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर प्रदेश में राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों, धर्मगुरुओं सहित सभी लोगों से अपील की है कि उन्हें प्रदेश में शांति एवं सद्भभाव कायम रखने के लिए आगे आना चाहिए। श्री गहलोत ने घायल पुलिस कांस्टेबल संदीप की अस्पताल में कुशलक्षेम पूछने के बाद आज यहां मीडिया से बातचीत में यह अपील की। उन्होंने दोहराते हुए कहा कि हमारी तमन्ना, भावना एवं मांग है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के लोगों से अपील करनी चाहिए कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं हैं और हिंसा बर्दाश्त नहीं की जायेगी इससे देश में तनाव एवं हिंसा की घटनाओं में गिरावट आयेगी। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल हत्याकांड से देश हिल गया और ऐसे जघन्य अपराध में कोई माफी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने तत्काल आरोपियों को पकड़ लिया और रातभर में जांच करने पर पता लग गया कि यह आतंकवादी मामला है और इसे राष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया जिसमें हम सहयोग करेंगे। इस घटना से लोगों में आक्रोश हैं और एनआईए चालान पेश कर इसमें जल्दी निर्णय कराये। उन्होंने कहा कि जरुरत पड़ी तो केन्द्रीय गृह मंत्री से बात करके जांच जल्दी होने का आग्रह किया जायेगा कि प्रक्रिया पूरी करके निर्णय जल्दी आये ताकि पीड़ित परिवार को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर मौन जुलूस एवं प्रदर्शन में शांति बनाये रखनी चाहिए क्यों कि हिंसा का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं हैं। उन्होंने भीम में पुलिस कांस्टेबल संदीप के घायल होने के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना निंदनीय है। पुलिसकर्मियों ने पूरा प्रयास किया कि माहौल खराब नहीं हो और उन पर तलवार लगा दी गई, यह कहां की सभ्यता है, इसकी सबको निंदा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने घायल कांस्टेबल के हालचाल पूछे है और वह काफी ठीक है।

उद्धव ठाकरे पर अब कांग्रेस भी भड़की

पृथ्वीराज चव्हाण बोले- लड़ना नहीं चाहते, लीडरशिप पर भी सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम पद से इस्तीफा देने वाले उद्धव ठाकरे ने फ्लोर टेस्ट का सामना किए बिना ही इमोशनल भाषण देते हुए विदाई ली है। माना जा रहा है कि उन्होंने अपनी छवि सत्ता के खेल से परे रहने वाले और सिद्धांतों पर डटने वाले शख्स के तौर पर पेश करने की कोशिश की है। लेकिन उनके इस फैसले पर उस कांग्रेस के नेता ने ही सवाल उठा दिया है, जिसे उन्होंने अपने विदाई भाषण में थैंक्यू बोला था। पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण ने उद्धव ठाकरे के इस्तीफे पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वह लड़ना नहीं चाहते हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा, उद्धव ठाकरे को बिना फेसबुक लाइव के विधानसभा में आना चाहिए था और अपनी बात रखते हुए इस्तीफा देना था।

नवनीत के बाद राज का उद्धव पर तंज, सौभाग्य के भरोसे चलने से होता है पतन

चव्हाण ने उद्धव ठाकरे की नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि उद्धव को पता ही नहीं था कि इतने सारे लोग परेशान थे। वे बगावत के सदमे से बाहर नहीं निकले। वह कहता रहा कि मेरे कितने आदमियों ने उसे धोखा दिया है। उन्हें पता नहीं था कि नीचे क्या हो रहा है। यह नेतृत्व कौशल का सवाल है। अगर उन्होंने बीजेपी को रोकने के लिए कोई दूसरा विकल्प दिया होता तो हम राजी हो जाते। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, अब उद्धव ठाकरे की लड़ने की कोई इच्छा नहीं है।

कैसे खडसे से मुंडे तक कई नेता हुए साइडलाइन और देवेंद्र फडणवीस बने बॉस

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया था, वह भ्रमित करने वाला था। इस परिणाम में कोई स्पष्टता नहीं है। विधायकों की अयोग्यता को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ऐसे में इसका इंतजार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे को सदन में आकर अपना बचाव करना चाहिए था और फिर इस्तीफा दे देना चाहिए था। राज्य की जनता उनका पक्ष जानती होगी। विपक्ष के नेता के साथ-साथ कुछ अन्य नेताओं को भी बोलने का अवसर मिलता।

उद्धव ठाकरे में अब लड़ने की इच्छा ही नहीं बची

चव्हाण ने कहा कि विधानसभा के सत्र में बोलने का मौका मिलता तो फिर कांग्रेस और एनसीपी भी बता पातीं कि क्यों उन्होंने सरकार बनाने का फैसला लिया था। कांग्रेस के सीनियर नेता बोले, अब उद्धव ठाकरे की लड़ने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने रक्तपात के बारे में जो कुछ भी कहा वह झूठ था। उन्हें लड़ना चाहिए था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैं गुस्से में नहीं हूं बल्कि यह मेरी निजी राय है। चव्हाण ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों को बताना चाहता था, जिन्होंने ढाई साल तक मेरा साथ दिया कि फेसबुक लाइव और विधायिका में बोलने में अंतर है। वह विधायिका में जो कहते हैं वह रिकॉर्ड में होता।

बताया क्यों एकनाथ शिंदे कर रहे एनसीपी, कांग्रेस पर हमला

यही नहीं एकनाथ शिंदे की ओर से एनसीपी और कांग्रेस पर अटैक पर भी चव्हाण ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शिंदे को लगता था कि वह सीएम बनेंगे क्योंकि बालासाहेब ने मनोहर जोशी को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन वे मुख्यमंत्री नहीं बन सके। शरद पवार ने दोनों पार्टियों में वरिष्ठ नेता होने के नाते यह स्टैंड लिया था कि कनिष्ठ व्यक्ति के तहत काम करना मुश्किल होगा। इसलिए उद्धव ठाकरे ही सीएम बने और यही एकनाथ शिंदे की नाराजगी की वजह बन गई।

अमरनाथ यात्रा के आधार शिविरों से 10,000 तीर्थयात्री रवाना

श्रीनगर। पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए गुरुवार सुबह तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए। आधार शिविरों से रवाना हुए विभिन्न काफिलों में कम से कम 10,000 श्रद्धालु शामिल हैं। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा आज सुबह नुनवान और बालटाल से शुरू हुई। गंदेरवाल से एक अधिकारी ने बताया, दर्शनार्थियों का एक काफिला दर्शन के लिए सुबह लगभग 11 बजे मंदिर की ओर जाने वाले सबसे छोटे मार्ग बालटाल से होकर रवाना हुआ। इसमें अधिकतम 6,823 श्रद्धालु थे, जिनमें 1,293 महिलाएं, 48 बच्चे और 98 साधू थे। उन्होंने कहा कि 43 दिवसीय इस वार्षिक यात्रा के लिए लगभग 2,750 तीर्थयात्री अनंतनाग जिले के पहलगाम में नुनवान आधार शिविर से रवाना हुए। उपायुक्त परयुष सिंगला ने आधार शिविर से 2,750 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाई। सिंगला ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा, प्रयास यह है कि तीर्थयात्री सुरक्षित महसूस करें और शांतिपूर्वक तीर्थ यात्रा करें।

जम्मू आधार शिविर से रवाना हुआ 5771 तीर्थ यात्रियों का दूसरा जत्था

जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर यात्री निवास से 5771 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था बाबा बर्फानी के पवित्र गुफा के दर्शन के लिए गुरुवार को रवाना हुआ।एक अधिकारी ने बताया कि कुल 5771 तीर्थ यात्रियों में 4382 पुरुष, 1156 महिलाएं, 38 बच्चे, 189 साधु तथा छह किन्नर शामिल है।

सातताल का पहाड़ी शैली में किया जाएगा सौन्दर्यीकरण

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल के सातताल क्षेत्र का परम्परागत पहाड़ी शैली में सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इससे सातताल को विश्व पटल पर पहचान मिल सकेगी।

यह जानकारी नैनीताल के जिलाधिकारी धीरज सिंह गर्बयाल की ओर से दी गयी है। उन्होंने बताया कि इसके लिए केन्द्र सरकार की ओर से 7.34 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। केन्द्र सरकार के विशेष सहायक कार्यक्रम के तहत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सातताल का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने आज सातताल का निरीक्षण किया और कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना के तहत सातताल में 250 मीटर मार्ग पर पत्थर, जेट ई, रैलिंग, किड्ज जोन आदि का निर्माण किया जायेगा। सातताल में शौचालय, टिकट काउंटर, प्रवेश द्वार एवं 20 दुकानों का निर्माण भी पहाड़ी शैली में किया जायेगा।

पंजाब विधानसभा में अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रस्ताव पारित

सीएम भगवंत मान ने बताया देशहित विरोधी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को विधानसभा में केंद्र की अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया है। बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने यह प्रस्ताव रखा है। इसके मुताबिक राज्य सरकार केंद्र के सामने अग्निपथ योजना को तत्काल वापस लेने की मांग रखेगी। प्रस्ताव पढ़ते हुए विधानसभा में सीएम मान ने कहा, भारत सरकार की तरफ से अग्निपथ योजना की एकतरफा घोषणा की वजह से देशभर में विरोध हुए। पंजाब में भी इस योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए गए। उन्होंने आगे कहा, पंजाब विधानसभा को लगता है कि यह योजना युवाओं को केवल चार साल ही रोजगार देगी और बाद में केवल 25 फीसदी को ही स्थायी किया जाएगा। यह योजना ना तो राष्ट्र हित के नजरिए से सही है और ना ही युवाओं की भलाई में है। इससे युवाओं में असंतोष बढ़ेगा। बहुत सारे युवा लंबे समय तक सेना में रहकर देश की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, गौर करने वाली बात है कि पंजाब के एक लाख से ज्यादा सैनिक सेना में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं और बहुत सारे लोग देश सेवा में प्राणों का बलिदान भी दे देते हैं। ये युवा सेना में रहकर देश सेवा करने में ही गर्व का अनुभव करते हैं। इन युवाओं को उनके साहस और बलिदान के लिए जाना जाता है। लेकिन यह योजना युवाओं के सपनों को कुचलने वाले हैं। बहुत सारे युवा हैं जो कि सेना में स्थायी नौकरी का ख्वाब सजाए हैं। मान ने कहा कि इस योजना से सेना के जवानों का भी हौसला कम होगा। इस प्रस्ताव पर सदन में चर्चा भी हुई। बता दें कि 14 जून को इस योजना की शुरूआत की गई थी। इसके तहत सेना में साढ़े 17 से 21 साल तक के युवाओं की भर्ती की जाएगी। चार साल के बाद 25 फीसदी युवाओं को सेना में स्थायी कर दिया जाएगा।

चार साल की मासूम से रेप और हत्या में दरिंदे को फांसी की सजा, एक साल में मिला इंसाफ

नई दिल्ली। चार साल की मासूम बच्ची से रेप और हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद दरिंदे को त्रिपुरा की एक अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। मामला खोवाई जिले का है। जिले में मौत की सजा सुनाए जाने का यह पहला मामला है। इस मामले में अभियोजन पक्ष (पीड़ित) की ओर से कुल 35 गवाह पेश किए गए।

त्रिपुरा की एक अदालत ने बुधवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए चार साल की मासूम बच्ची से रेप और हत्या के दोषी कालीचरण को फांसी की सजा सुनाई। जिला अदालत और विशेष यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के न्यायाधीश शंकरी दास ने मामले में जांच अधिकारी बिद्येश्वर सिन्हा द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद दोषी को मृत्युदंड का आदेश दिया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 35 गवाहों के बयान दर्ज किए गए।

क्या था मामला

जानकारी के मुताबिक, पिछले साल 22 फरवरी को खोवाई जिले के तेलियामुरा के दुस्की इलाके से मासूम लापता हो गई थी। छह दिनों के बाद जंगल में मासूम का शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर में चोटों के निशान पाए गए थे।

अभियोजन पक्ष की ओर से अधिवक्ता बिकाश देब ने कहा कि यह दुर्लभतम मामलों में से एक है। हमें मृतक के परिवार को न्याय देते हुए खुशी हो रही है।

महिला अपराध में त्रिपुरा अव्वल

गौरतलब है कि गृह विभाग की 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2020 से महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों में शामिल होने के लिए 10 महीनों में कुल 207 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसी अवधि में, महिलाओं के खिलाफ कुल 240 अपराधों में से 128 बलात्कार के मामले सामने आए।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2010 में त्रिपुरा में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर देश में सबसे अधिक 46.5 प्रतिशत थी। 2017 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में राज्य 14वें स्थान पर था।

सरकार के सौ दिन पूर्ण होने पर धामी ने 51 पात्रों को आवासों की चाबी सौंपी

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सरकार के 100 दिन पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत देहरादून जनपद के 51 लाभार्थियों को चेक एवं आवासों की चाबी सौंपी।

योजना के तहत प्रदेश में कुल पांच हजार लाभार्थियों को आवासों का आवंटन किया गया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि (आईफैड) द्वारा सहायतित 771 करोड़ की रूरल इंटरप्राइज एक्सलरेशन प्रोग्राम (रीप) का शुभारंभ किया। श्री धामी ने इस अवसर पर कृषि-औद्यानिक दृष्टि पत्र-2027 एवं रेशम विभाग उत्तराखण्ड का आगामी पांच वर्षों के लिए दृष्टि पत्र का विमोचन भी किया। इतना ही नहीं, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से प्रशिक्षित 50 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र भी प्रदान किये।

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मधुग्राम योजना के अंतर्गत, जनपद चंपावत में सिप्टी न्याय पंचायत एवं जनपद देहरादून में चामासारी (रायपुर) का चयन कर क्रियान्वयन किया जायेगा। सगंध पादपों के अन्तर्गत तेजपत्ता उत्पादन के सर्वांगीण विकास हेतु राजकीय उद्यान खतेड़ा चम्पावत में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जायेगी। उन्होंने इस अवसर पर टनकपुर एवं गोपेश्वर में सैनिक विश्राम गृहों का शिलान्यास भी किया।

धामी ने कहा कि आज राज्य सरकार ने विकास, समर्पण एवं प्रयास के 100 दिन पूर्ण कर लिये हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रदेश की देवतुल्य जनता की सेवा करने के लिए मुख्य सेवक के रूप में जो जिम्मेदारी मिली है, जन अपेक्षाओं को पूरा करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड धर्म एवं आध्यात्म के केन्द्र के साथ ही सैनिक बहुल प्रदेश भी है। सैन्य क्षेत्र में उत्तराखण्ड का हमेशा से बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि टनकपुर एवं गोपेश्वर में सैनिक विश्राम गृह बनने से यहां ठहरने के लिए सैनिकों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जो भी निर्माण कार्य हों, उच्च गुणवतायुक्त हों। विभागों को निर्देश दिये गये हैं कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा।

सरकार के 100 दिन पूरे होने पर बागेश्वर में गरीबों को मिले आवास

बागेश्वर/नैनीताल। उत्तराखंड सरकार के 100 दिन पूर्ण होने पर बागेश्वर में लाभार्थी सम्मान कार्यक्रम में गरीब लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास, चाबी, चैक प्रमाण पत्र एवं किट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक कपकोट सुरेश गढिया ने कहा कि राज्य सरकार के सफलतापूर्वक 100 दिन पूर्ण करने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें भारत सरकार की महत्वाकांशी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चेक, प्रमाण पत्र एवं गरीब ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास किट वितरित किये गये। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा स्पष्ट है कि योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम छोर के गरीब पात्र व्यक्ति को मिले, इसके लिए अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि समन्वय के साथ कार्य करते हुए सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारें। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों को पेंशन के साथ ही मकान, उज्जवला गैस के साथ ही बर्तन खरीदने के लिए पांच हजार का चैक दे रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के 100 दिन पूर्ण करने पर जनपद के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को घर की चॉबी के साथ प्रमाण पत्र और घर के बर्तन खरीदने हेतु पांच हजार का चेक दिया गया।

उद्धव ठाकरे के इस्तीफे पर नवनीत राणा का तंज

आखिरी दिन तक लालच न छोड़ पाए, पिता की मेहनत की बर्बाद

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा में फ्लोर टेस्ट से पहले ही उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। इस पर अब अमरावती की सांसद नवनीत राणा ने उन पर तंज कसते हुए सत्ता का लालच रखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा तो दे दिया है, लेकिन इसमें बहुत देर कर दी। वह आखिरी तक पद के लालच में ही बने रहे। एक टीवी चैनल से बातचीत में नवनीत राणा ने कहा, उन्होंने इस्तीफा देने में देरी कर दी। जिस दिन उनके परिवार के 40 सदस्य घर छोड़कर बाहर निकले थे, उसी दिन इस्तीफा दे देना था। आखिरी दिन तक पद के लिए जो लालच उन्होंने रखा, उसका जवाब उन्हें देना होगा।

यही नहीं नवनीत राणा ने उद्धव ठाकरे पर विचारधारा से समझौता करने और पिता की मेहनत को बर्बाद करने का भी आरोप लगाया। नवनीत राणा ने कहा, शिवसेना बालासाहेब ठाकरे ने बनाई थी, लेकिन उद्धव ठाकरे ने 56 साल की उनकी मेहनत पर ही पानी फेर दिया। अपने अहंकार के चलते उन्होंने पार्टी का यह हाल किया है। नवनीत राणा ने कहा कि उद्धव ठाकरे के पास सिर्फ संजय राउत, अनिल परब और आदित्य ही बाकी रह गए हैं। ये लोग भी मजबूरी में हैं। इसकी वजह यही है कि उन्होंने जिस तरह से लोगों पर अत्याचार किए हैं। मुझे 14 दिनों तक जेल में काटने पड़े, लेकिन मेरा दोष ही क्या था ? यही कि मैंने हनुमान चालीसा पढ़ने की बात कही थी।

इससे पहले एकनाथ शिंदे की बगावत पर भी नवनीत राणा ने तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि मैं तो प्रदेश के कल्याण के लिए हनुमान चालीसा का जाप कर रही हूं। यही नहीं दिल्ली में राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के नामांकन के दौरान वह पुष्पा स्टाइल में नजर आई थीं। तब उन्होंने भले ही कुछ नहीं कहा था, लेकिन उनकी इस अदा को उद्धव ठाकरे और शिवसेना पर आए संकट से जोड़कर देखा जा रहा था। बता दें कि नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा ने लाउडस्पीकर विवाद के दौरान उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया था। इस पर उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया था और जेल तक जाना पड़ गया था।

लॉरेंस गिरोह के 11 सदस्य गिरफ्तार, सात हत्याओं को टाला

जालंधर। पंजाब पुलिस ने एक व्यापक और योजनाबद्ध ऑपरेशन में, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और हरविंदर रिंडा द्वारा समर्थित एक अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर इसके 11 सदस्यों को नौ हथियार और पांच लूटे गए वाहन सहित गिरफ्तार किया गया है। एडीजीपी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) प्रमोद बान ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा। जालंधर ग्रामीण पुलिस ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। गिरफ्तार लोगों की पहचान नकोदर, जालंधर के मोहम्मद यासीन अख्तर उर्फ जैसी पुरेवाल; मोहाली में नया शहर बदला के सागर सिंह, समराला लुधियाना के अमर मलिक, लोहियां जालंधर की नवी, अंकुश सभरवाल नकोदर, जालंधर का पाया, सुमित जसवाल ऊना (हि.प्र.), अमनदीप उर्फ शूटर, फिल्लौर, जालंधर; शिव कुमार फिल्लौर, जालंधर के विशाल उर्फ फौजी, ऊना (हिमाचल प्रदेश) के अरुण कुमार उर्फ मणि राणा और कपूरथला के अन्नू उर्फ पहलवान के तौर पर हुई है। गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्ति हिस्ट्रीशीटर हैं और जघन्य अपराधों के मामलों का सामना कर रहे हैं। एसएसपी जालंधर ग्रामीण स्वपन शर्मा के साथ मौजूद एडीजीपी प्रमोद बान ने कहा कि यह समूह कई पड़ोसी राज्यों में सक्रिय था और हत्या, हत्या के प्रयास, सशस्त्र डकैती, संगठित रंगदारी, डकैती और नशीली दवाओं की तस्करी सहित अपराधों में शामिल था। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी के साथ, पंजाब पुलिस ने कम से कम सात हत्याएं, दो पुलिस हिरासत से भाग निकले और चार सशस्त्र डकैतियों को विफल कर दिया है। एडीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार हरविंदर सिंह उर्फ रिंडा के निर्देश पर गिरोह का संचालन गोल्डी बराड़ का सहयोगी विक्रम बराड़ कर रहा था। गौरतलब है कि वर्तमान में विदेश में रह रहे राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी बराड़ छह राज्यों की पुलिस को वांछित है। वह लॉरेंस बिश्नोई के सहपाठी हैं और सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की जानकारी देते हुए एसएसपी स्वप्न शर्मा ने बताया कि मोहम्मद यासीन अख्तर एक साल से लापता है। उन्होंने कहा कि वह कम से कम 16 आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि एक अन्य गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अंकुश सबरवाल उर्फ पाया के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ छह आपराधिक मामले दर्ज हैं, वह 2014 में नकोदर के एक आईईएलटीएस केंद्र में विक्रम बराड़ का छात्र था।

शार्ट न्यूज

नबी द्वारा पम्मा पर गाया गाना धरने दिए सभी के लिए अपने लिए कभी ना जिए रिलीज

नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व एंग्री मैन का खिताब पा चुके परमजीत सिंह पम्मा 26 वर्षों से समाज के हितों के लिए आंदोलन करते आ रहे हैं उनके कार्यों को देखते हुए समय-समय पर उनके ऊपर डॉक्यूमेंट्री फिल्म व गाने रिलीज होते रहते है यहां तक की बीबीसी, द क्विंट, आईबीएन 7 सहित अनेक चैनलों व वेबसाइटों ने पम्मा पर डॉक्यूमेंट्री बनाई है। अब इसी कड़ी में एक और मशहूर गायक नवदीप नबी ने गीत गाया है जिसे मशहूर लेखक बलविंदर सिंह सोढ़ी ने लिखा है यह गाना पम्मा के प्रदर्शनों पर आधारित है इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा, मशहूर गायक सुरेखा रोबिन, प्रमुख समाज सेवी गौरव गुप्ता, डॉ आचार्य जीतू, डॉ आदित्यनाथ भट्टी, लेखक बलविंदर सिंह सोढ़ी, कुलदीप सिंह मारवा,सुभाष गोयल,अंजु गोयल सुखविंदर सारंग, मशहूर अभिनेता नरेंद्र सिंह लेखक गुरविंदर सिंह, सतपाल सिंह मंगा, गुरसिमरन कौर बिंदिया, मल्होत्रा, भावना धवन, रश्मीत कौर बिंद्रा ने पोस्टर रिलीज किया। यह कार्यक्रम बहुत ही खूबसूरती से एंकर हिदायतुल्लाह संचालित किया। मैं जब तक जिंदा हूं अपनी आवाज लोगों के लिए उठाता रहूंगा बेशक मेरी जान भी चली जाए। यह शब्द नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में कहे उन्होंने यह भी कहा कि मेरी सरकार से कोई लड़ाई नहीं है मैं तो आप लोगों के समस्याओं को सरकार तक पहुंचाता हूं सामाजिक मुद्दों को लेकर ही चल रहा हूं जैसे महंगाई,या फिर बच्चों को कॉलेज में दाखिला हो या फिर नौकरी की बात यह बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही ऑनलाइन गेमिंग इसी प्रकार के मुद्दों पर मेरे आंदोलन चलते रहेंगे। यह गाना परमजीत सिंह पम्मा के प्रदर्शनों पर आधारित है सभी लोगों में खूब पसंद किया यह गाना। इस मौके पर दिल्ली की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रही। गायक नवदीप नबी ने कहा कि वह और गीत जल्द लेकर आ रहे हैं।

रबूपुरा पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध असलहे के साथ किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना रबूपुरा पुलिस ने बुधवार को चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त मोसीन पुत्र युनीस निवासी मौहल्ला कस्सावान कस्बा व थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के कैची पुलिया उटरावली रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बीएसईएस दिल्ली मॉनसून के लिए पूरी तरह तैयार, अब बारिश में भी मिलेगी बेहतर बिजली आपूर्ति

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। गर्मी और उमस भरे दिनों के बाद, आखिर अब मॉनसून दिल्ली पहुंचने वाला है। मॉनसून लोगों को गर्मी और हीट वेव से राहत तो जरूर दिलाता है, लेकिन यह अपने साथ नमी, सीपेज व जलभराव जैसी समस्याएं भी साथ लेकर आता है। बारिश का पानी जमा होने और तेज हवा के कारण पेड़ों की शाखाएं टूटने के कारण एक ओर जहां बिजली की आपूर्ति पर असर पड़ता है, वहीं इस मौसम में करंट का खतरा भी बढ़ जाता है। मॉनसून संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, बारिश के दिनों में अपने 47 लाख उपभोक्ताओं को बेहतर व सुरक्षित बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए बीएसईएस ने तैयारी पूरी कर ली है।

मॉनसून एक्शन प्लान के तहत, निचले इलाकों में लगे ट्रांसफॉर्मरों के फाउंडेशन को ऊंचा करके उन्हें सुरक्षित स्तर पर लया गया है। स्विचगियर्स के ऊपर छतें लगाई गई हैं, ताकि जलभराव के कारण स्विचगियर्स में नमी और सीपेज न आने पाए। जहां भी संभव हो पेड़ों की शाखाओं की छंटाई का काम किया गया है, ताकि बिजली की तारें उनमें न उलझें। मॉनसून में लोगों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफॉर्मरों के इर्द-गिर्द जालियां लगाई गई हैं। इसके अलावा, ट्रेंचों की सफाई का काम भी किया गया है।

मॉनसून में जगह-जगह पानी जमा होने से बिजली संबंधी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि बारिश के दिनों में वे बिजली के पोल, सब-स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द-गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों।

बिजली के झटकों व करंट से संबंधित शिकायतों के लिए बीएसईएस के बीवाईपीएल उपभोक्ता 19122 पर और बीआरपीएल उपभोक्ता 19123 पर फोन कर सकते हैं। बीएसईएस ने आरडब्ल्यूए और आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि उन्हें कहीं करंट की आशंका महसूस हो, तो तुरंत उपरोक्त नंबरों पर फोन करें।

बीएसईएस ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि न सिर्फ बाहर, बल्कि घर में भी मॉनसून के दौरान करंट से सावधान रहें। स्विच गीला हो, तो उसे न छुएं। घर में एक टेस्टर रखें और स्विच को छूने से पहले टेस्टर से चेक करें कि कहीं लीकेज तो नहीं! शक होने पर अपने इलेक्ट्रिशियन को कॉल करें। याद रखें, बारिश के दिनों में स्विचों में करंट आने का खतरा बना रहता है। किसी लाइसेंसधारी इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर से उपभोक्ता अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें।

वैसे, बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जालियां लगा दी हैं, लेकिन, कई बार नशेड़ी और असामाजिक तत्व ट्रांसफॉर्मरों की जालियां उखाड़ लेते हैं या उन्हें क्षतिग्रस्त कर देते हैं। बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि यदि कहीं किसी ट्रांसफॉर्मर की जाली टूटी दिखे या कोई पोल व तार गिरी हुई या क्षतिग्रस्त नजर आए, या बिजली उपकरणों पर पेड़ों की टहनियां गिरी दिखें, तो तुरंत कॉल सेंटर नंबरों पर को बीएसईएस को सूचित करें।

बिजली चोरी की वजह से भी बारिश के सीजन में करंट फैलने का खतरा रहता है। यह न सिर्फ बिजली की चोरी करने वालों के लिए, बल्कि उनके पड़ोसियों के जीवन के लिए भी खतरनाक है। गौरतलब है कि तारों पर लगाए गए कटिये न तो इंसुलेट किए गए होते हैं और न ही ठीक से उसे फिक्स गया गया होता है। ऐसे में, तेज हवा व बारिश में ये कटिये गिर जाते हैं और लोग उसकी चपेट में आ सकते हैं।

यह जानलेवा हो सकता है। बीएसईएस की अपील है कि लोग गैरकानूनी व अनाधिकृत तरीके से बिजली का इस्तेमाल न करें। उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि यदि उन्हें कहीं बिजली की चोरी होती दिखे, तो वे तुरंत बीआरपीएल/बीवाइपीएल के हेल्पलाइन नंबर पर या पुलिस को इसकी सूचना दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

अनप्लांड डिगिंग, रोड कटिंग, आदि के कारण भी करंट फैलने का खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए, लोगों व एजेंसियों को सलाह दी जा रही है कि जमीन, रोड आदि की खुदाई करने से पहले वे बीएसईएस को सूचित करें। लोगों की सेफ्टी के लिए यह आवश्यक है।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर यानी ईएलसीबी लगवाने की भी सलाह दी गई है। ईएलसीबी एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण उपकरण है, जो आपके घर में बिजली के छोटे से छोटे लीकेज को भी पहनान लेगा। बिजली के लीकेज का पता लगते ही ईएलसीबी ट्रिप हो जाएगी और आपके घर की बिजली को डिसकनेक्ट कर देगी। इस तरह, ईएलसीबी बिजली संबंधी बड़े हादसों को टाल सकता है।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि सीईआरसी के निर्देशों के मुताबिक, बिजली के उपकरणों से अपने घर, बालकनी और छज्जों की उपयुक्त दूरी बनाए रखें। ऐसा न करने से जान-माल का नुकसान हो सकता है।

सभी 15 पुलिस जिलों में जल्द ही उपलब्ध होंगे मोबाईल फारेंसिक लैब

लंबित मामलों के निपटान में तेजी लाने के साथ-साथ मासिक प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करे एफएसएल : उपराज्यपाल

नई दिल्ली। उपराज्यपाल, श्री वी.के. सक्सेना ने दिनांक 22.06.2022 को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की कार्यप्रणाली और कार्यप्रगति की समीक्षा के उपरांत वस्तुस्थिति का जायजा लेने के लिए कल रोहिणी स्थित कार्यालय/लैब परिसर का दौरा किया। इस दौरे में उनके साथ मुख्य सचिव और अन्य हितधारक विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने सराहना की कि एफएसएल एक ऐसी संस्था के रूप में उभरी है जिसे समय के साथ फारेंसिक जांच के क्षेत्र में व्यापक सम्मान प्राप्त हुआ है। हालांकि, उन्होंने एक बार फिर बड़ी संख्या में निपटान के लिए लंबित मामलों और संस्थान के विस्तार और तकनीकी अपग्रेडशन में अत्यधिक देरी पर पुनः चिंता व्यक्त की। उन्होंने रिक्त पदों को शीघ्रातिशीघ्र भरने के अपने निर्देशों को दोहराते हुए कहा कि मौजूदा अधिकारियों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत किया जाना चाहिए ताकि मामलों के निपटान में तेजी लाई जा सके।

उपराज्यपाल ने बैलिस्टिक, केमिकल टॉक्सिकोलॉजी, बायोलॉजी, एनिमल डीएनए, फिंगर एंड ब्रेन प्रिंट और साइबर फोरेंसिक लैब्स, इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर्स के साथ-साथ रिकॉर्ड कीपिंग प्रक्रियाओं, एफएसएल द्वारा संचालित मोबाइल लैब्स और मौजूदा परिसर के विस्तार हेतु चल रहे खनन कार्यों का भी निरीक्षण किया।

सक्सेना द्वारा निरीक्षण के उपरांत मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिये गये।

1. पीडब्ल्यूडी को नए भवन निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा से पहले मार्च, 2023 तक पूरा करने का निर्देश दिया गया।
2. दो मोबाइल लैब, जो नमूनों को तेजी से संग्रहित और संरक्षित कर विश्लेषण में मदद देने के लिए तैनात है, में चार नई वैन जोड़कर तीन माह के भीतर छह करने के निर्देश दिये। क्रमशः सभी 15 पुलिस जिलों में 1-1 मोबाइल फारेंसिक लैब उपलब्ध कराकर कुल संख्या 15 करने का निर्णय लिया गया।
3. मौजूदा प्रयोगशालाओं को नवीनतम उपकरणों और प्रौद्योगिकी से लैस कर उनको सशक्त करने के कार्यों में तेजी लाने एवं इस संबंध में लंबित किसी भी प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी दिये जाने का निर्देश दिये गये।
4. एफएसएल को लंबित मामलों के निपटान की मासिक प्रगति रिपोर्ट उपराज्यपाल के अवलोकनार्थ प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये, ताकि इन्क्रीमेंटल उपलब्धियों को सामने लाया जा सके।
5. उपराज्यपाल को यह सूचित किया गया कि अभी तक प्राप्त कॉलों तथा सैंपलों का रिकार्ड मैन्यूल तरीके से किया जा रहा है।

इस संबंध में उन्होंने संस्थान द्वारा एक व्यापक ईआरपी समाधान को अपनाने और उसे कार्यान्वित करने के निर्देश दिये।

श्री सक्सेना ने 5 मंजिल में बने परिसर का निरीक्षण करने के दौरान कुछ खामियों की ओर इशारा किया। इस संबंध में अधिकारियों को परिसर के उच्च स्तरीय साफ-सफाई एवं रख-रखाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी बड़े बदलाव लाये जा सकते हैं।

थाना इकोटेक थ्री पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना इकोटेक थ्री पुलिस ने गुरुवार गुरुवार को एक वांछित अभियुक्त दानिश (कबाड़ी) पुत्र यामीन निवासी गुलजार कॉलोनी इस्लाम नगर केला भट्टा थाना घण्टाघर कोतवाली जिला गाजियाबाद मूल पता ग्राम गौरी पुर थाना कोतवाली बागपत जिला बागपत को बुध बाजार हबीबपुर से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 20 किलोग्राम एल्युमिनिय शीट बरामद की है।उपरोक्त अभियुक्त थाना इकोटेक थ्री पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 286/2022 धारा 381, 411 भादवि के तहत वांछित चल रहा था।अभियुक्त के कब्जे से कम्पनी आरआरसी फ्रैस बैन्टीलेसन प्रोडक्ट प्राईवेट लिमिडेट प्लाट नंबर 374 उधोग केन्द्र प्रथम थाना इकोटेक थ्री से चोरी हुआ माल (खरीदा हुआ) 20 किलोग्राम एल्युमिनिय शीट बरामद की गई है। कम्पनी मे काम करने वाला वर्कर आसिफ पुत्र आसमौहम्मद निवासी ग्राम मलकपुर थाना हापुड़ जिला हापुड़ द्वारा कम्पनी से एल्यूमिनियम प्लेटे चोरी करके दानिश कबाड़ी उपरोक्त को बेचा करता था।गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

केजरीवाल अगर इतने ईमानदार हैं तो उपराज्यपाल की जांच के आदेशों से बौखला क्यों रहे हैं : आदेश गुप्ता

एक पूर्ण राज्य का मुख्यमंत्री बनने का सपना पालने वाले केजरीवाल को दिल्ली की गद्दी छोड़कर पंजाब का मुख्यमंत्री बन जाना चाहिए

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि जब से दिल्ली में नए उपराज्यपाल श्री वी के सक्सेना आए हैं, तब से आम आदमी पार्टी के मंत्रियों की बेचैनी बढ़ चुकी है। उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों से आप नेता बिल्कुल बौखला गए हैं।

दिल्ली सरकार की बौखलाहट इससे भी समझी जा सकती है कि जब उपराज्यपाल ने कोविड काल में बनाए गए। अस्थायी अस्पतालों में भ्रष्टाचार होने के आरोप की जांच एनसीबी से कराने का आदेश दे दिया तो मनीष सिसोदिया उस पर अनाप-शनाप बयान देने लगे। जिसके बाद खुद उपराज्यपाल को पत्र लिखकर केजरीवाल से यहां तक कहना पड़ा कि मनीष सिसोदिया के मामले पर तथ्यात्मक और कानूनी तौर पर गलत बयानबाजी की है और वांछित प्रशासनिक कार्रवाई का गैर जरूरी तौर पर राजनीतिकरण किया।

श्री आदेश गुप्ता ने आज शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा किए गए प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही बातों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि एलजी जो दिल्ली के लोकल गार्जियन हैं और उन्होंने दिल्ली की जनता के हितों में कुछ करने का फैसला लिया है तो केजरीवाल और उनके मंत्रियों को इसमें आपत्ति क्यों हो रही है। केजरीवाल और उनके मंत्री चाहते हैं कि वे कोई भी फैसला करें तो उन्हें ना ही कोई रोके और ना ही कोई टोके। मतलब केजरीवाल एक पूर्ण राज्य की तरह दिल्ली में भी राज करना चाहते हैं। केजरीवाल पहले ही दिल्ली पुलिस को अपने अधिकार में लेने की मांग कर चुके हैं। लेकिन पंजाब में उनकी सरकार आने के बाद जिस तरह की घटनाएं हुई वह उनकी मंशा को साफ दर्शाती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को शायद यह नहीं पता है कि दिल्ली में उपराज्यपाल का भी अपना कर्तव्य और दायित्व है। अगर केजरीवाल को उपराज्यपाल से इतनी ही समस्या है तो वे दिल्ली की गद्दी छोड़कर पंजाब के मुख्यमंत्री बन जाए।

श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि एलजी द्वारा दिए गए आदेशों को राजनीतिक रुप देने का काम केजरीवाल और उनके उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा किया जा रहा है जो सही नहीं है। आज संवैधानिक पद पर बैठे हुए एक व्यक्ति के लिए जिन शब्दों का प्रयोग आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा किया जा रहा है, वह बेहद ही शर्मनाक है और भाजपा इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली की जनता के हितों में लगातार काम करना और फैसले लेने से केजरीवाल के मंत्रियों के अंदर डर बैठ चुका है कि कही उनकी पोल न खुल जाए क्योंकि अब होर्डिंग्स आधारित कार्यों का गुणगान की कहानी खत्म होने का वक्त आ चुका है।

भाजपा जिला केशवपुरम की कार्यकरणी बैठक हुई सम्पन्न

नई दिल्ली। भाजपा जिला केशवपुरम के जिला मीडिया प्रभारी विनोद शर्मा ने बताया कि जिला कार्यकरणी बैठक जिला अध्यक्ष राज कुमार भाटिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले के प्रभारी श्याम शर्मा विशेष रूप से रहे। पहले सत्र में प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता व दूसरे सत्र में प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जिले के सभी पूर्व अध्यक्ष भी मंच पर रहे।

कार्यकरणी के प्रारम्भ में जिला अध्यक्ष राज कुमार भाटिया ने प्रदेश द्वारा दिए सभी कार्यक्रमों का जिला, मण्डल, मोर्चो व प्रकोष्ठ द्वारा किए कार्यों व सहभागिता का वृत रखा।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कार्यकरणी को सम्बोधित करते हुए कहा भाजपा प. दीन दयाल उपाध्याय व श्यामाप्रसाद मुखर्जी के विचारों से ओतप्रोत कार्यकर्ताओं का संगठन है जो कड़े अनुशासन, परिश्रम व उत्साह के साथ जनसेवा के व्रत से काम करता है। आज केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार उन्ही के सपनों को साकार करते हुए 8 साल के शासनकाल में सर्वसमाज के शोषित, वंछित, जरूरतमंद लोगों की योजनाएँ ला सीधे लाभांवित करा रही है। हमें मोदी सरकार के इन कार्यों व योजनाओं को घर घर पहुँचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उपचुनाव के परिणाम से हम हतोत्साहित नही है बल्कि और ज्यादा परिश्रम से पार्टी की नीतियों के साथ जनता की आवाज बुलंद करने को तैयार है।

दूसरे सत्र में प्रदेश संगठन मंत्री सिद्धार्थन जी ने कहा कि संगठनात्मक अनुशासन व जिम्मेदारी का निर्वहन हर एक कार्यकर्ता के लिए आवश्यक है। सभी कार्यकर्तों को बूथ स्तर पर जा बूथ को मजबूत बनाना और बूथ के निवासियों से निरन्तर समन्वय बना पार्टी की रीतिनीति से अवगत कराना व उनके सुख दुख में सहभागी रहना जरूरी है।

जिला प्रभारी ने सभी कार्यकर्ताओं को आने वाले समय में जमीनी स्तर पर सांगठनिक कार्य करते रहने का आह्वाहन किया। साथ ही सभी निवर्तमान पार्षदों से जनता की समस्याओं को निराकरण कराने के लिए नियमित रूप से उपलब्ध रहने को कहा।

जिला अध्यक्ष राज कुमार भाटिया ने कहा कि इस बार की कार्यकारणी सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ सम्पन्न हुई है। मोदी सरकार के आठ साल में जनहित में किए कार्य व योजनाओं का प्रचार प्रसार के साथ जनता को सीधे जोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि जिले की पाँचो विधानसभा की समस्याएँ हमने चिन्हित की हैं जिनके निराकरण के लिए सम्बंधित विभागों से नियमित सम्पर्क बनाने के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी।

कार्यकारणी में अजय खटाना द्वारा राजनीतिक प्रस्ताव रखा जिसमे दिल्ली की सरकार नाकामियों दिल्ली में लगातार पानी की किल्लत, प्रदूषित यमुना नदी, प्रदूषण, विनाशकारी शराब नीति, टूटे फूटे रोड, अपर्याप्त परिवहन व्यवस्था, बिजली बिलों में धांधली, गेस्ट टीचर - आंगन वादी व आशा वर्कर की अनदेखी, डीजल पेट्रोल कीमत में राहत न देना, झुग्गी बस्तियों की अनदेखी, राष्ट्रविरोधी रोहिंगयाओं और बंगलादेशियों को आश्रय और सरकार के मंत्रियों व विभागों में व्याप्त भ्र्ष्टाचार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाए जिसे मीरा अग्रवाल द्वारा अनुमोदित कर सभी कार्यकर्ताओं ने ध्वनि के साथ पारित किया।

कार्यकारणी में जिले के सभी पदाधिकारी, मोर्चो व प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व मण्डल के अध्यक्ष व महामंत्री उपस्तिथ थे।

बिसरख पुलिस ने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन फ्रॉड करने वाली अभियुक्ता सहित तीन वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन फ्रॉड करने वाली अभियुक्ता सहित तीन वांछित अभियुक्तों आकाश पुत्र अशोक कुमार कश्यप निवासी कोटला फेस टु नियर मोहल्ला क्लीनिक थाना रनौला दिल्ली, अमित पुत्र महावीर निवासी गांव बक्करवाला थाना मुंडका दिल्ली व अभियुक्ता आरती गोस्वामी पुत्री भवानी गोस्वामी निवासी एफ 2/34 बुद्धबिहार फेस-1 थाना रिठाला दिल्ली को थाना क्षेत्र के गोल्डन आई के सामने बने पार्क से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 49,000 रूपये नगद, तीन मोबाइल फोन और एक बैग में ऑनलाइन फ्रॉड सम्बन्धी प्रपत्र बरामद किये है। अभियुक्तों द्वारा वादी के साथ ऑनलाइन फ्रॉड करते हुए क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 49,000 रूपये निकाल लेना जिसके सम्बन्ध में थाना बिसरख पर 29 जून 2022 को मुकदमा अपराध संख्या 393/2022 धारा 420 भादवि व 66 डी आईटी एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया था।गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

उदयपुर की घटना के फेसबुक पर वायरल हो रहे वीडियो पर लाइक व समर्थन कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

नोयडा। थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस ने उदयपुर राजस्थान की घटना के फेसबुक पर वायरल हो रहे वीडियो पर लाइक व समर्थन कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले अभियुक्त आशिफ खान पुत्र युसुफ खान निवासी ग्राम छपरौली सेक्टर-168 थाना एक्सप्रेस-वे जनपद गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के गंदे नाले के पास बने ऑटो स्टैड से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने ऑनलाइन वीडियो पर टिप्पणी करने में प्रयोग में लिया गया एक मोबाइल फोन बरामद किया है।गौरतलब है कि 30 जून 2022 को वादी मुकदमा द्वारा थाना एक्सप्रेस-वे पर लिखित सूचना दी गई कि उदयपुर (राजस्थान) की घटना के फेसबुक पर वायरल हो रहे वीडियो पर एक युवक आशिफ खान द्वारा फेसबुक पर वीडियो को लाइक कर उसका समर्थन करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी कर लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया है।

उपाध्यक्ष - पालिका परिषद् ने पालिका परिषद् सेवाओं से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया

नई दिल्ली। श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष - नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने आज NDMC कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मासिक सेवानिवृत्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और 59 पालिका परिषद् कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर फूलों और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर श्री उपाध्याय ने कहा कि पिछले दो सालो से कोविड बीमारी के कारण यह कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पा रहा था। पर सभी सदस्यों की कोशिश के बाद इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को फिर से शुरू किया गया जिसके लिए उन्होंने कल्याण और पेंशन विभाग को भी बधाई दी। उन्होंने कहा की आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का जो स्वच्छता सर्वेक्षण में स्थान है वो आप सभी कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है। श्री उपाध्याय ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत माननीय प्रधान मंत्री ने परिषद् क्षेत्र से ही की थी और टीम एनडीएमसी भारत के माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को सच्ची भावना के साथ लागू करने के लिए पालिका परिषद कर्मचारी प्रतिबद्ध है।

उपाध्याय ने कहा कि कोविड की वजह से न केवल यह कार्यक्रम हो पा रहा था अपितु कर्मचारियों को मिलने वाले सेवानिवृत्ति लाभ में भी देरी आ रही थी और इस वजह से सालो से कार्य करने वाले कर्मचारी अपनी ही कमाई हुई पूंजी के समय पर मिलने के लिए परेशान हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज दोबारा से इस कार्यक्रम के शुरू होने से कर्मचारियों के बीच फिर से उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा की आज आप यहाँ से जो अपने जीवन की पूंजी ली जा रहे हैं आप उसका सदुपयोग करे और अपने भविष्य के लिए भी संभाल कर रखे। उन्होंने सेवानिवृत्ति कर्मचारियों की पेंशन और अन्य भुगतानों को समय पर किया जाने के लिया पेंशन विभाग के सहायक लेखा अधिकारी की भी सराहना की।

इस अवसर पर पालिका परिषद् सदस्य, श्रीमती विशाखा सैलानी भी उपस्थित थी उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपका कामकाजी जीवन एक सकारात्मक नोट के साथ समाप्त होता है। पीछे मुड़कर देखें, आपको केवल उपलब्धि और संतुष्टि मिलेगी और आगे देखें एक नया जीवन आपका इंतजार कर रहा है, एक ऐसा जीवन जो कहता है कि बहुत सारे अद्भुत क्षण अभी व्यतीत होने हैं।

इस अवसर पर निदेशक कल्याण, श्री किशन कुमार, कल्याण विभाग के वरिष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे।

सूरजपुर पुलिस ने थाने का टॉप-10 अपराधी सहित तीन चोर/लुटेरों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस ने गुरुवार को थाने का टॉप-10 अपराधी सहित तीन शातिर चोर/लुटेरें 1कपिल पुत्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम साकीपुर थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर(टॉप-10 अपराधी),कृष्ण पुत्र जयसिंह निवासी ग्राम साकीपुर थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर, नफीस पुत्र शहीद निवासी मोहल्ला व्यापारियान कस्बा जहाँगीरपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के निक्को मोड साइट बी से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी का मोबाइल फोन,दो चाकू और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है।गौरतलब है कि अभियुक्तों द्वारा 29 मई 2022 को जैतपुर गोलचक्कर के पास से वादी अमन उपाध्याय पुत्र दिगम्बर सिंह निवासी ग्रेटर नोएडा की गाड़ी कार हुंडई ईओन एचआर 51 एआर 4479 व मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया था। अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि ग्रेटर नोएडा/नोएडा क्षेत्र से वाहन चोरी कर तनवीर सैफी पुत्र सलीम अहमद निवासी अहानगिरान निकट एक मीनार मस्जिद कस्बा व थाना जहाँगीराबाद जिला बुलन्दशहर, शाह आलम पुत्र नजर मौहम्मद निवासी मौहल्ला सुनाहारान कस्बा जहाँगीरपुर थाना जेवर गौतमबुद्धगर, रिजवान पुत्र इब्राहीम निवासी मौहल्ला व्यापारयान निकट एक मीनार मस्जिद जहाँगीरपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को बेचा जाता है। जिनके द्वारा गाड़ी को पार्ट्स में काटकर अलग-अलग बेच दिया जाता है। चोरी की गयी हुंडई ईओन एचआर 51 एआर 4479 गाड़ी को भी अभियुक्तों द्वारा तनवीर सैफी,शाह आलम व रिजवान उपरोक्त को बेचना बताया गया है। तीनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जिनके विरुद्ध पूर्व में भी गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में अभियोग पंजीकृत है तथा अभियुक्त कपिल पुत्र प्रताप उपरोक्त थाना सूरजपुर के टॉप-10 व हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की सूची में शामिल है।

कन्हैया की हत्या के आरोपी जिहादियों को तत्काल फांसी देने की मांग को लेकर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट का प्रदर्शन

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने उदयपुर के निर्दोष कन्हैया लाल की बर्बरता पूर्वक हत्या करने वाले मोहम्मद गौस और रियाज जब्बर को तत्काल फांसी देने की मांग को लेकर आज शाहदरा मेन चौक पर प्रचंड प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि भारत में जिस प्रकार मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की जा रही है, ऐसा उदाहरण अन्यत्र कहीं नहीं मिलता। आतंकवादी और जिहादी स्वयं के ऊपर इसे राजनीतिक संरक्षण मान रहे हैं जिसे पूरी तरह नकारा भी नहीं जा सकता। श्री गोयल ने कहा कि एनआईए की जांच से अनेक रहस्यों से पर्दा तो उठेगा ही लेकिन देश में हिंदुओं को भयभीत करने की पाकिस्तान और आईएसआईएस की साजिश को किसी भी तरह सफल नहीं होने दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम धर्म गुरुओं को स्पष्ट रूप से सामने आकर ऐसी घिनौनी वारदातों को अंजाम देने वालों और उनके परिवारों के सामाजिक बहिष्कार का फतवा जारी करना चाहिए। श्री गोयल ने मोदी सरकार के शासनकाल में देश का माहौल बिगाड़ने के आरोपों के बारे कहा कि भारत वर्ष आजादी के पहले से ही हिंदू चरमपंथियों और कट्टरपंथी जिहादी मुसलमानों के निशाने पर रहा है। 1929 में लेखक राजपाल मल्होत्रा की भी सीने में आठ चाकू के वार करके निर्मलता पूर्वक हत्या कर दी गई थी जैसे 93 वर्ष बाद उदयपुर में कन्हैया लाल की बर्बरता पूर्वक हत्या कर दी गई जिसके गले पर भी 8 बार चाकू से वार किया गया। मल्होत्रा जी का कसूर पैगंबर साहब के बारे कथित विवादित पंपलेट छापना था जिसके लिए उन्होंने अपनी सफाई में कहा भी था कि वह मुसलमानों के लाभ के लिए छाप रहे हैं ताकि वह अपनी कमियों को दूर कर सकें। उस दौरान हुए दंगों में 100 से अधिक लोगों को मार डाला गया। दंगों को देखते हुए मल्होत्रा जी ने माफी मांग ली तथा पेंपलेट नहीं छापने की घोषणा कर दी लेकिन इसके बावजूद जिहादियों ने उनकी नृशंस तरीके से हत्या कर दी जैसे उदयपुर में घटना को अंजाम दिया गया। श्री गोयल ने कहा कि उस समय ना तो केंद्र में मोदी सरकार थी और ना ही भाजपा अस्तित्व में आई थी। आजादी से पहले 1924 से लेकर 1946 तक हुए विभिन्न रंगों में करीब 6000 लोग मार डाले गए थे। ''सिर तन से जुदा'' वाली कट्टरपंथियों की सोच कोई नई नहीं है।

संपादकीय

बच्चों को स्कूल बस्ते के बढ़ते बोझ से निजात दिलानी ही होगी

एनसीईआरटी सहित विशेषज्ञों ने स्कूल बैग का वजन कम करने के सुझाव भी दिए हैं और यह सुझाव आज के नहीं हैं। इन सुझावों को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसके लिए स्कूलों को अपने सिस्टम में सुधार करना होगा।

यह हमारी शिक्षा व्यवस्था का ही कमाल है कि बच्चों पर पढ़ाई के बोझ से ज्यादा बस्ते का बोझ होता जा रहा है। स्कूलों में बस्ते का बोझ दिन प्रतिदिन ज्यादा ही होता जा रहा है जबकि 16 साल पहले ही तमिलनाडू सरकार ने बस्ता हल्का करने का नियम बना दिया था। इसके लिए तमिलनाडू सरकार ने कक्षाओं के हिसाब से बस्ते का वजन तय किया था तो बाद में मद्रास हाईकोर्ट ने भी मई 2018 में इन नियमों को लागू करने के निर्देश दिए थे। हालांकि बस्ते के बढ़ते बोझ को कम करने की चिंता सभी को रही है। यही कारण है कि एनसीईआरटी ने भी 2018 में ही देश भर के प्राइवेट स्कूलों में इन नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए पर आज भी वही ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

एनसीईआरटी के बिहार में मार्च महीने में किए गए सर्वे के जो परिणाम आए हैं कमोबेश वही हालात समूचे देश के हैं। बच्चे पढ़ाई के बोझ से ज्यादा बस्ते के बोझ से त्रस्त हैं। बिहार में कक्षा एक से 12वीं तक के बच्चों के बस्ते के बोझ का अध्ययन किया गया तो सामने आया कि बच्चे के बस्ते का वजन तीन से चार किलो अधिक है। बच्चों को तीन से चार किलो अधिक वजन लेकर जाना पड़ता है। दसवीं, बारहवीं के बच्चों के स्कूल बैग का वजन दस से 12 किलो तक हो जाता है। इसका दुष्प्रभाव सीधे-सीधे बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। बच्चों की रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ने के साथ ही उनके पोस्चर पर प्रभाव पड़ने लगा है। आदर्श स्थिति यह है कि बच्चे के वजन का 10 प्रतिशत वजन ही स्कूल बैग का वजन होना चाहिए पर ऐसा हो नहीं रहा है। हालांकि एनसीईआरटी सहित विशेषज्ञों ने स्कूल बैग का वजन कम करने के सुझाव भी दिए हैं और यह सुझाव आज के नहीं हैं। इन सुझावों को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसके लिए स्कूलों को अपने सिस्टम में सुधार करना होगा।

रअसल बच्चों को स्कूल आते समय कितनी किताबें व नोटबुक लाना चाहिए यह स्कूल तय नहीं कर पा रहे हैं। एक समय था जब बच्चों को स्कूल में ही पीने का पानी मिल जाता था पर करीब एक लीटर की पानी की बोटल और लंच बॉक्स का बोझ तो इसलिए बोझ नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह बच्चे के लिए जरूरी है। पर किताबों और नोटबुक के बोझ को आसानी से कम किया जा सकता है। स्कूल यदि यह तय कर लें कि अमुक दिन यह किताब लानी है तो दूसरी और बच्चों को स्कूल में किताबों को शेयर करने की आदत डाल कर भी समस्या का कुछ समाधान हो सकता है। इसी तरह से सभी विषयों की नोट बुक के स्थान पर बच्चों को एक या दो नोट बुक या खाली कागज लाने की आदत डाली जाए तो उससे भी बस्ते का बोझा काफी हद तक कम हो सकता है। इसके अलावा केन्द्रीय विद्यालयों की तर्ज पर लॉकर सुविधा हो तो भी बच्चे स्कूल में किताब रख कर जा सकते हैं। यह कोई नए सुझाव या नई बात नहीं है अपितु कमोबेश एनसीईआरटी के सुझावों में यही कुछ बातें हैं।

हमें बच्चे की पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनों में ही तालमेल बैठाना होगा। स्कूल बैग के बोझ को लेकर बच्चे और पेरेंट्स दोनों ही चिंतित हैं तो दूसरी और शिक्षाविद और मनोविज्ञानी भी इसे लेकर गंभीर हैं। सरकार द्वारा भी इसे लेकर गंभीर चिंतन मनन होता है पर नतीजा वहीं का वहीं बना हुआ है। होने यह तक लगा है कि पीठ पर बस्ते के बोझ के चलते बच्चों की पीठ का अनावश्यक झुकाव बढ़ता जा रहा है तो स्पाइनल प्रोब्लम आम होती जा रही है। बच्चे तो बच्चे, बच्चों के पेरेन्ट्स को भी स्कूल बैग उठाते हुए पसीना आ जाता है तो इसकी गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। एक समय था जब रफ नोटबुक मल्टीपरपज नोटबुक होती थी। इस रफनोटबुक को अधिक उपयोगी बनाने की दिशा में चिंतन कर बस्ते की नोटबुकों के बोझ का काफी हद तक कम किया जा सकता है।

देश में हिंसक होते युवा आंदोलन

-सत्यवान 'सौरभ'

गोल्डस्टोन ने लिखा है, युवाओं ने पूरे इतिहास में राजनीतिक हिंसा में एक प्रमुख भूमिका निभाई है, और एक युवा उभार कुल वयस्क आबादी के सापेक्ष 15 से 24 युवाओं का असामान्य रूप से राजनीतिक संकट से ऐतिहासिक रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, युवा हिंसा के कारण जान-माल के नुकसान की घटनाओं में वृद्धि हुई है - चाहे वह वर्तमान अग्निपथ योजना से जुड़ा मुद्दा हो, झारखंड में बच्चे के अपहरण की अफवाह हो, यूपी और राजस्थान में गौरक्षकों द्वारा, कश्मीर में हिंसक भीड़ द्वारा या आरक्षण को लेकर हो। हरियाणा में जाट भीड़ की हिंसा को राज्य द्वारा जिम्मेदारी के विस्थापन के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा सकता है, जो लोगों को कानून को अपने हाथों में लेने के लिए दोषी ठहराता है, और जो राज्य की निष्क्रियता पर अपने कार्यों को सही ठहराते हैं। आर्थिक संघर्ष कहीं न कहीं इस तरह की युवा हिंसा के पीछे एक बड़ी वजह है, भारत के राजनीतिक परिदृश्य में देखें तो जातीय-धार्मिक उग्रवाद, संगठित अपराध और यौन हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस पर थोड़ा गौर करने की जरूरत है कि आखिर संघर्ष की वजह क्या है? विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि 15-24 आयु वर्ग के चार भारतीयों में से एक से भी कम श्रम बल का हिस्सा होते हैं और नौकरी के इच्छुक करीब 25 प्रतिशत युवाओं को कोई काम नहीं मिल रहा है। दशकों से स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है, खासकर एक ऐसे देश में जहां आधी से अधिक आबादी 25 से कम उम्र की है। भारत को हर महीने एक लाख रोजगार पैदा करने की जरूरत है जबकि इसकी अर्थव्यवस्था कभी भी इस मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं आई। जैसा मानव विज्ञानी क्रेग जेफरी कहते हैं, 'जीवन में कुछ घटित होने का इंतजार करना' ही अनेक युवा भारतीयों का एकमात्र काम रह गया है। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रेरित अफवाहें फैलती हैं जो एक गुमनाम बल गुणांक के रूप में कार्य करती हैं।

भीड़ की हिंसा और सतर्कता इसलिए होती है क्योंकि अपराधी इससे बच निकलने की उम्मीद करते हैं। राज्य की प्रतिरोधक क्षमता को विश्वसनीय नहीं माना जाता है, खासकर जब हिंसा के दृश्य पर पुलिसकर्मियों को केवल स्टैंड के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। कानून और व्यवस्था की स्थिति का सामान्य क्षरण - सामाजिक अव्यवस्था के लिए अपर्याप्त प्रतिक्रिया, और सतर्क हत्याओं में शामिल लोगों पर आक्रामक रूप से मुकदमा चलाने में असमर्थ, भीड़ की हिंसा को और प्रोत्साहित करती है। ऐसी घटनाओं के मूक गवाह रहने वाले लोग भी उतने ही जिम्मेदार होते हैं जब वे क्रॉस फायर में फंसने के डर से ऐसी घटनाओं के प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त करने से दूर रहते हैं। जब राज्यों में लिंचिंग की घटनाएं होती हैं तो न्याय की कमी होती है, इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता है। लोकतंत्र की विकृति है, जो लोगों को हिंसा पर पूर्ण एकाधिकार प्रदान करती है।

भीड़ की हिंसा भारत में मौलिक अधिकारों में से एक जीवन का अधिकार (अनुच्छेद 21) में निहित गरिमापूर्ण और सार्थक अस्तित्व के अस्तित्व के लिए खतरा है। इसलिए, व्यापक पुलिस सुधार और कुशल आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली की आवश्यकता है जो लोगों को न्याय के नाम पर भीड़ हिंसा का सहारा लेने से रोकती है। यहाँ तक कि जब राष्ट्र-राज्य युवाओं के नेतृत्व वाली हिंसा को कुचलने में सफल होते हैं, तो अनुभव से पता चलता है कि उन्हें नई भाषाएं मिलती हैं जिनमें खुद को अभिव्यक्त किया जा सकता है। ट्यूनीशिया को अरब वसंत के बाद लोकतांत्रिक सुधार के एक मॉडल के रूप में प्रतिष्ठित किया गया था, लेकिन यह इस्लामिक स्टेट के साथ-साथ यूरोप में अवैध प्रवासियों के लिए जिहादियों का सबसे बड़ा एकल प्रदाता साबित हुआ। सीरिया और लीबिया जैसे देशों में, अरब वसंत ने एक उग्र गृहयुद्ध का नेतृत्व किया - जो स्वयं क्रांतियों की तरह ही था - हिंसा से आसानी से बहकाने वाले एक युवा समूह ही था।

वैश्वीकरण एक लूट : कैसे वैश्वीकरण की नीतियों ने विकासशील देशों के संसाधनों और अर्थव्यवस्था को लूटा है?

तरुण कुमार

कोविड -19 महामारी ने दुनिया के आर्थिक मॉडल और अंतर्राष्ट्रीय संगठन के संदर्भ में मौजूदा व्यवस्था पर कुछ गंभीर सवाल उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व व्यापार संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन तक सभी अंतरराष्ट्रीय संगठनो कि निष्पक्षता और सक्रियता सवालों के घेरे में है। हम एक ऐसे आर्थिक मॉडल का अनुसरण कर रहे हैं जहां वैश्वीकरण अपने केंद्र में है और वैश्वीकरण का विचार बाजारवादी नीतियों की ताकत की मदद से संचालित किया जाता है और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर थोपा जाता है। पश्चिमी देश विश्व अर्थव्यवस्था और विकासशील देशों को नियंत्रित करने के लिए वैश्वीकरण और बाजारवादी नीतियों को सबसे सटीक होने का दावा करते है। आज वही पश्चिमी देश वैश्वीकरण और बाजारवादी नीतियों के विरुद्ध आर्थिक कदम उठा रहे है। जैसे अमेरिका कि #americanfirst कि नीति अपना रहा है। ब्रिटेन यूरोपीय संघ से बाहर निकल गया है। और विश्व अर्थव्यवस्था में बढ़ता व्यापार युद्ध, सीधे तौर पर यह दर्शाता है कि वैश्वीकरण के पक्षधर देश ही वैश्वीकरण कि अर्थिक व्यवस्था को नकार रहे है। यानि जो वैश्वीकरण और बाजारवादी नीतियों को पशिमी देश अपना रहे थे और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर थोपा रहे थे। उसके पीछे का प्रमुख कारण था विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को बाजारवादी नीतियों के हिसाब से चलाना ताकि विकासशील देशों कि आत्मनिर्भरता खत्म किया जा सके और बहुराष्ट्रीय कंपनियां उपभोक्तावाद को बढ़ावा दे कर लाभ यानि Profit Earn के आधार पर अर्थव्यवस्था को चला सके। वैश्वीकरण कि व्यवस्था का सामजिक और आर्थिक रूप से प्रभाव जिस तरह से पढ़ा है यह भी यही दर्शाता है कि वैश्वीकरण कि व्यवस्था अपने आप मे एक त्रुटिपूर्ण व्यवस्था है। वैश्वीकरण व्यवस्था का आधार तीन आयामों पर टिका हुआ है निजीकरण, निवेश और परस्पर जुड़ाव विश्व व्यापार में। अगर तथ्यों कि बात कि जाए तो भी वैश्वीकरण कई आयामों में अपने चरम को छु चूका है परन्तु दुनिया में आज भी गरीबी, भूख, कुपोषण आदि जैसी अनेको समस्या जो कि तोयो बनी हुआ है। जैसे-1. 19 ।0 के दशक में विश्व सकल घरेलू उत्पादन की तुलना में विश्व व्यापार मात्र 25-30 प्रतिशत था। और फिर वैश्वीकरण कि नीतियों को अपनाया गया, पश्चिमी देशों ने वैश्वीकरण का भरपूर प्रचार-प्रसार किया और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन आदि जैसे अनेकों अंतरराष्ट्रीय संगठनों के

माध्यम से विकासशील देशों को उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण, के द्वारा तथाकथित आर्थिक सुधार करने के लिए विवश किया गया। उसका प्रणाम यह हुआ कि विश्व सकल घरेलू उत्पादन की तुलना में विश्व व्यापार 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत तक हो गया था 2008 के वित्तीय संकट से ठीक पहले। हालांकि, 2008 के बाद विश्व सकल घरेलू उत्पादन की तुलना में विश्व व्यापार में स्थिरता आ गई है। जो सीधे तौर पर यह दर्शाता है कि वैश्वीकरण अपने अपनी चरम सीमा छू चुका है। और इससे यह साबित होता है कि विश्व सकल घरेलू उत्पादन की तुलना में विश्व व्यापार इससे अधिक नहीं बढ़ सकता। यानि कि वैश्वीकरण कि व्यवस्था कोई सर्वोत्तम मॉडल नहीं। क्योंकि विश्व व्यापार 25 प्रतिशत -30 प्रतिशत से बढकर 60 प्रतिशत तो हुआ परन्तु उसके परिणाम यह हुए पर्यावरण दूषित हुआ। और विश्व व्यापार भी 60त्न पर आकर विकासहीन हो गया है।

2. वैश्वीकरण के प्रचार-प्रसार में पश्चिमी देश यह तर्क देते हैं कि वैश्वीकरण व्यवस्था से राष्ट्रों के बीच जुड़ाव बढ़ेगा। पर अगर तथ्य और आंकड़े के हिसाब से देखते है तो वैश्विक अंतर्संबंध भी चरम पर पहुच कर स्थिर हो चुकी है। डीएचएल ग्लोबल इंटरकनेक्टेडनेस इंडेक्स, 2020 कि रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अंतर्संबंध और वैश्वीकरण कि विकास दर पिछले पाँच वर्ष से स्थिर हो गई है। कौशल विकास में कमी वाले देशों में वैश्वीकरण व्यवस्था ने सामाजिक और आर्थिक असमानताओ को बढ़ाने का काम किया है। अगर हम सही मायने में देखें तो वैश्वीकरण व्यवस्था की अवधारणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। क्योंकि लोकतंत्र कि नीव टिकी हुई है सामाजिक व्यवस्था पर वही दूसरी ओर वैश्वीकरण व्यवस्था का आधार बनती है अंतरराष्ट्रीय बाजावाद कि नीतिया। जिनका टकराव सीधे सीधे सामाजिक व्यवस्था से होता है। निजी कंपनिया पूरी अर्थव्यवथा को Market forces के हिसाब से चलाना चाहती है। क्योंकि निजी कम्पनियों का एजेंडा सिर्फ मुनाफा कमाना है। दुसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने अपनी अर्थव्यवस्था को इसी आधार पर आगे बढ़ाया था। लेकिन पशिमी देशों कि सामजिक व्यवस्था और विकासशील देशों कि सामजिक व्यवस्था में बहुत अंतर है इसलिए वैश्वीकरण व्यवस्था को सार्वभौमिक बनना पूर्णत गलत था। वैश्वीकरण कि नीतियों का सामजिक व्यवस्था से मेल ना होने के कारण विकासशील देशों में आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था बढती चली गई। जिसका परिणाम यह हुआ कि अधिकांश विकासशील देशों में अमीर ज्यादा अमीर होता गया और गरीब ज्यादा गरीब होता गया। ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर इयान गोल्डिन अपनी किताब THE BUTTERFLY DESERT में वैश्वीकरण व्यवस्था को असमर्थनीय आर्थिक मॉडल बताया है। प्रोफेसर इयान गोल्डिन का इसके पीछे का तरक यह है कि वैश्वीकरण व्यवस्था से जुड़े नकारात्मक प्रभाव हि वैश्वीकरण को असमर्थनीय आर्थिक मॉडल बनाते है।

वैश्वीकरण के बुरे प्रभाव समाज, अर्थव्यवस्था और राजनीति पर स्पष्ट रूप से देखे जा रहे हैं। भौतिकवाद के कारण समाज का ध्रुवीकरण होना, आर्थिक पक्षपात का अपने चरम पर होना, और चुनावी प्रक्रिया का कॉर्पोरेट द्वारा संचालित होना वैश्वीकरण के बाद के ही दुष्प्रभाव हैं। वर्तमान कि स्थितियाँ येई दर्शा रही है कि पूरी व्यवस्था में जनमानस के विषय पूर्णत: लुप्त हो चुकी है। और यह जनविरोधी नीतियाँ अब इस मुकाम पर पहुंच चुकी है। कि अगर अब कुछ ठोस कदम नहीं उठाए गए तो देश का गरीब, मध्यम और मजदूर वर्ग सामाजिक सुरक्षा तो बहुत आगे कि बात है। उनको आजीविका के लिए न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं मिल पाएगी। इसलिए सबसे पहले हमें इस पूरी प्रस्थिति को ठीक दिशा देने के लिए कम से कम दो बिंदुओं पर विचार जरूर करना चाहिए। पहला, देश मे टॉप रिच वर्ग पर वेल्थ टैक्स लगाना और दूसरा स्थानीयकरण अर्थव्यवस्था को बढावा देना। इन दोनों बिंदुओं पर विचार करने के लिए सरकार पर समाज का दबाव बनाना बहुत जरूरी है। क्योंकि जिस तरह ये वर्तमान मे सभी प्रकार कि नीतियाँ अमीरों को और अधिक अमीर बनाने मे लगी है ये सीधे-सीधे देश कि पूंजी और अस्मिता को निजी हाथों मे थमा देगा। जिससे समाज मे निम्न वर्ग का शोषण बढ़ेगा और यह भारत कि पूरी सामाजिक व्यवस्था को नष्ट करने का काम करेगा। अंत मे मै सभी पाठकों को सिर्फ इतना ही कहुगा कि अभी नहीं, तो कभी नहीं।

बैंकिंग क्षेत्र में करियर विकल्प

बैंकों को आम तौर पर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में जाना जाता है। हाल ही में, कई देश वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं, सौभाग्य से, भारत सबसे कम प्रभावित देशों में से एक है, यह केवल भारत के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के कारण है। भारत में बैंकिंग क्षेत्र दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है; इसलिए स्वाभाविक रूप से कर्मचारियों की मांग भी बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत में बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में करियर उज्ज्वल है, बैंक युवा प्रतिभाओं को व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे सरकार देश के सुदूर गांवों में सार्वजनिक बैंक खोलना शुरू करती है, कर्मचारियों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है और इस क्षेत्र में काम करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह एक अच्छा मौका है। आपको बैंकिंग क्षेत्र में क्यों शामिल होना चाहिए? ऐसे कई कारक हैं जिनके कारण युवा इस क्षेत्र को अपने कार्यक्षेत्र के रूप में अपनाने के इच्छुक हैं। नौकरी की सुरक्षा- बैंक अन्य सरकारी नौकरियों की तरह अच्छे वेतन ग्रेड के साथ बेहतर नौकरी सुरक्षा प्रदान करते हैं। काम करने की स्थिति- काम करने की स्थिति बहुत अच्छी और आरामदायक है। यह अन्य टेबल पेन जॉब की तरह ही है। कोई भी शामिल हो सकता है- प्रतियोगी परीक्षाओं को क्रैक करके इस क्षेत्र में काम करने का अवसर आसानी से मिल जाएगा। विशेष कौशल की कोई आवश्यकता नहीं होगी, स्नातक अध्ययन पृष्ठभूमि वाला एक सामान्य उम्मीदवार विकल्प चुन सकता है। निश्चित समय- इस पेशे में साल भर शिफ्ट का समय समान रहता है। कोई रोटेशनल शिफ्ट या नाइट शिफ्ट नहीं है। तो, यह भी इस क्षेत्र का एक फायदा है। भत्तों-बैंकिंग व्यवसायों में पुरस्कार बहुत आकर्षक हैं क्योंकि कर्मचारियों को कम ब्याज दर पर ऋण, आवास, वाहनों के लिए ईंधन जैसी कई सुविधाओं से पुरस्कृत किया जाता है। वैश्विक करियर- बैंकिंग क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पेशा है, इसलिए विशेष पदों पर तैनात कर्मचारियों को विभिन्न देशों में यात्रा करने और काम करने का मौका मिलेगा। इसीलिए आजकल के युवा इस क्षेत्र में काम करने में गहरी दिलचस्पी दिखाते हैं। भारत में बैंक कितने प्रकार के होते हैं? भारत में आमतौर पर तीन प्रकार के बैंक होते हैं जिनकी सूची नीचे दी गई है। वाणिज्यिक बैंक- वाणिज्यिक बैंक वे बैंक हैं जो मुख्य रूप से आम जनता से धन या जमा स्वीकार करते हैं और व्यवसायी, घरेलू आदि जैसे व्यक्तियों को उनके व्यक्तिगत कमीशन और लाभ के लिए ऋण देते हैं। वाणिज्यिक बैंकों को आगे तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है- निजी क्षेत्र के बैंक। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक। क्षेत्रीय बैंक। वाणिज्यिक बैंकों के उदाहरण हैं- एसबीआई और एसोसिएट्स जैसे भारतीय स्टेट बैंक, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला। बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक जैसे राष्ट्रीयकृत बैंक। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, सिटी बैंक जैसे विदेशी बैंक। सहकारी बैंक- सहकारी बैंक की प्रमुख भूमिका ग्रामीण क्षेत्र जैसे किसानों, लघु उद्योगों को लाभान्वित करना है। इन बैंकों का संचालन सहकारी समितियों द्वारा किया जाता है। इन बैंकों को भी तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है जैसा कि नीचे सूचीबद्ध उदाहरणों के साथ है- राज्य सहकारी बैंक (राज्य स्तर पर काम करता है) जैसे पंजाब राज्य सहकारी बैंक। केंद्रीय सहकारी बैंक (जिला स्तर पर काम करता है) जैसे जिला सहकारी बैंक। प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (ग्रामीण स्तर पर काम करती हैं) जैसे सहयोग क्रेडिट सहकारी समिति। निवेश बैंक और विशिष्ट बैंक- ये बैंक केवल गतिविधि के विशिष्ट क्षेत्र से निपटते हैं और केवल विशेष उद्देश्य के लिए होते हैं। ये बैंक केवल विशेष क्षेत्रों का वित्तपोषण करते हैं।

इन बैंकों के उदाहरण है आईडीबीआई बैंक। आईएफसीआई लिमिटेड औद्योगिक निवेश बैंकभारत की। बैंकिंग क्षेत्र में करियर विकल्प उम्मीदवारों के लिए कई विकल्प हैं जिनके साथ वे बैंकिंग में अपना करियर शुरू कर सकते हैं।

महिलाओं के लिए वरदान से कम नहीं हैं सूरजमुखी के बीज, रोजाना सेवन से सेहत को होंगे ये बेहतरीन लाभ

प्रिया मिश्रा

महिलाओं में कई स्वास्थ्य संबंधी संबंधी दिक्कतें देखी जाती हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आगे चलकर किसी गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है। ऐसे में सूरजमुखी के बीज का सेवन महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सूरजमुखी के बीज के सेवन से महिलाओं को कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। आजकल की तनावपूर्ण जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों की वजह से महिलाओं में कई स्वास्थ्य संबंधी संबंधी दिक्कतें देखी जाती हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आगे चलकर किसी गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है। ऐसे में सूरजमुखी के बीज का सेवन महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सूरजमुखी के बीज के सेवन से महिलाओं को कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। आज के इस लेख में हम आपको सूरजमुखी के बीज के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं - वेट लॉस के लिए भी सूरजमुखी के बीज बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। सूरजमुखी के बीजों में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम मौजूद होता है जो हमारे हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनता है। इसके साथ ही यह शरीर से हानिकारक पदार्थ को बाहर निकलकर हमारी बॉडी को डिटॉक्स करता है। इसके अलावा सूरजमुखी के बीज शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को कम करते हैं और शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी मजबूत बनाते हैं। महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन की समस्या में भी सूरजमुखी के बीज बहुत फायदेमंद है। इसमें 100 अलग-अलग तरह के एंजाइम मौजूद होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने में मदद करते हैं। सूरजमुखी के बीजों के सेवन से महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उत्पादन को संतुलित करने और प्रीमेन्स्ट्रुअल सिंड्रोम, थायराइड के लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद मिलती है।

कौशलता विकास में मातृभाषा मंत्र ज़रूरी

रटनें वाली पढ़ाई का ज़माना गया - अब मातृभाषा के माध्यम से सबसे अच्छा कौशल मंत्र से नवाचार करने को रेखांकित करना ज़रूरी

कौशलता विकास का त्वरित लाभकारी परिणाम पाने, क्षमता उदय करने, मातृभाषा में शिक्षा एक मजबूत नीव प्रदान करती है - एड भावनानी

भारत की सांस्कृतिक विरासत हजारों वर्ष पूर्व की है, जिसे सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जा रहा है जो काबिले तारीफ है!! परंतु बीते कुछ दशकों से हम देख रहे हैं खासकर वर्तमान पीढ़ी में युवा और बच्चे इस हमारी सांस्कृतिक धरोहर, मूल्यों, सभ्यता, मातृभाषा हस्तशिल्पी, कौशलता, बौद्धिक कौशलता और उसकी क्षमता उदय करने के उच्चतम गुणों, मानकों, पौराणिक प्रथाओं को किनारे लगाने की ओर कदम आगे बढ़ा रहे हैं जो आने वाली पीढ़ियों के समय विलुप्तता के कगार पर होगी जिसे रेखांकित करना जरूरी है, इसलिए आज हम इन धरोहरों में से मातृभाषा रूपी विरासत की चर्चा हम इस आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।

साथियों बात अगर हम मातृभाषा की करें तो भारत एक एकता में अनेकता वाला खूबसूरत देश है जहां संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त बावीस भाषाएं हैं परंतु उससे परे सैकड़ों अन्य भाषाएं और हजारों उपभाषाएं प्रचलन में है जिसे आधुनिक प्रौद्योगिकी युग और पाश्चात्य संस्कृति के प्रकोप के चलते हम अंग्रेजी और राजभाषा हिंदी की ओर अग्रसर हैं हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर दोनों भाषाएं महत्वपूर्ण और मूल्यवान हैं परंतु मेरा मानना है कि कोई व्यक्ति जितनी जल्दी कोई कौशलता ज्ञान, माननीय गुण, ज्ञान, तकनी की मंत्र, शिक्षा अपनी मातृभाषा में समझ सकता है उतनी जल्दी अन्य भाषा में नहीं समझ सकता! इसलिए ही कौशलता विकास का त्वरित लाभकारी परिणाम पाने क्षमता उदय करने, मातृभाषा में शिक्षा एक मजबूत नीव प्रदान करती है और रटनें वाले जमाने का अंत हो गया है।अब मातृभाषा के माध्यम से सबसे अच्छे कौशल मंत्रसे नवाचार करने को रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बातों ग्राम शिक्षा में मातृभाषा के उपयोग की करें तो मेरा मानना है कि हमारी शिक्षा प्रणाली में कम से कम स्कूली शिक्षा तक सरकारी और निजी विद्यालयों में पढ़ाई के माध्यम में मातृभाषा का उपयोग अनिवार्य होना चाहिए, क्योंकि छात्र स्कूलके अलावा बाकी समय अपने घर परिवार समाज में व्यतीत करते हैं जहां मातृभाषा का प्रचलन होता है इसलिए स्कूल स्तरपर शिक्षा व कौशलता को मातृभाषा में समझाने पर कई गुना तीव्रता से क्षमता उदय होती है और रटनें वाली पढ़ाई के युग का अंत होता है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 29 जून 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, प्राचीन गुरुकुल प्रणाली में शिक्षक अपने छात्रों के साथ समय बिताते थे और उनके बीच रहते थे, जिससे छात्र के चरित्र निर्माण व सही मूल्यांकन का अवसर मिलता था।, एक अन्य पहलू जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए, वह स्कूली शिक्षा में मातृभाषा का उपयोग है। जहां तक संभव हो, कम से कम प्राथमिक स्तर तक सरकारी और निजी विद्यालयों में पढ़ाई का माध्यम मातृभाषा में होना चाहिए।

साथियों उन्होंने विद्यालयों में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हमें छात्रों को अपने सामाजिक परिवेश में अपनी मातृभाषा में स्वतंत्र रूप से बोलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जब हम स्वतंत्र रूप से और गर्वके साथ अपनी मातृभाषा में बात कर सकेंगे, उस समय ही हम अपनी सांस्कृतिक विरासत की सही मायने में सराहना कर सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषाओं में किसी की दक्षता सांस्कृतिक जुड़ाव के निर्माण में सहायता करती है और अनुभव के नए संसार के लिए खिड़कियां खोलती हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी भाषा को थोपा नहीं जाना चाहिए और न ही इसका कोई विरोध होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दियाकि यथासंभव भाषाएं सीखनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें छात्रों को उनके सामाजिक परिवेश में- विद्यालय परिसर में, सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में और अपने घर में स्वतंत्र रूप से अपनी मातृभाषा में बोलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जब हम स्वतंत्र रूप से और गर्व के साथ अपनी मातृभाषा बोल सकेंगे, उस समय ही हम सही मायने में अपनी सांस्कृतिक विरासत की सराहना कर सकते हैं।

उन्होंने रटने वाली पढ़ाई को छोड़ते हुए शिक्षा के लिए भविष्यवादी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सबसे अच्छा कौशल, जो विद्यालय आज छात्रों को प्रदान कर सकते हैं, वह अनुकूलन क्षमता है। उन्होंने विद्यालयों से छात्रों को आत्मचिंतन करने और अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके नवाचार करने को लेकर प्रशिक्षित करने के लिए कहा। उन्होंने इस बात को याद किया कि भारत की प्राचीन गुरुकुल प्रणाली शिक्षक के बच्चों के बीच समय बिताने के साथ एक व्यक्ति के समग्र विकास पर केंद्रित थी। इसमें छात्रों के चरित्र निर्माण और सही मूल्यांकन पर जोर दिया गया था। उन्होंने विद्यालयों से गुरु शिष्य परंपरा के सकारात्मक पहलुओं को अपनाने पर जोर दिया। इसके अलावा, पाठ्यक्रम व पाठ्येतर गतिविधियों के बीच कृत्रिम अलगाव को दूर करने और शिक्षा में बहु-विषयकता को प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कक्षा की पढ़ाई को क्षेत्रीय गतिविधियों, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सेवा पहलों के साथ पूरक बनाए जाने की अपनी इच्छा व्यक्त की, कि कम उम्र से ही छात्रों में सेवा और देशभक्ति की भावना पैदा करने की सख्त जरूरत है जो मेरा मानना है कि मातृभाषा का अधिकतम प्रयोग करने से उस अनुरूप ढालने में हम सामर्थ्य साबित होंगे।

सतत विकास!

करें गरीबी का निवारण,
मिलकर बचाए पर्यावरण,
हो समाज मैं आत्मनिर्भरता,
बिना फर्क किए हो लैंगिक समानता!

कोई व्यक्ति न भूखा सोए,
उद्योग, नवाचार, बुनियादी सुविधाएं,
उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली,
लक्ष्य हेतु हो हमारी भागीदारी!

गुणवत्तापूर्ण हो शिक्षा,
जलीय और थलीय जीवो की सुरक्षा, स्वच्छ जल और स्वच्छता,
जलवायु परिवर्तन आपदा से सामना करने की क्षमता!

शांति, न्याय और हो सशक्त संस्थाएं, संवहनीय शहर और समुदाय,
असमानताओं में कमी की चुनौती,
उर्जा हो प्रदूषण मुक्त और सस्ती!

सतत विकास देश में लाए,
जानिए इसकी सारी विशेषताएं,
भविष्य की पीढ़ी की भी पूरी हो आवश्यकताएं,
हम सब मिलकर भारत देश को विकसित बनाएं!!

शार्ट न्यूज

निरहुआ के बड़े भाई कार हादसे में गंभीर रूप से घायल, फारच्यूनर के परखचे उड़े

लखनऊ। आजमगढ़ से नवनिर्वाचित सांसद और भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ के बड़े भाई विजय यादव का गुरुवार को कार एक्सीडेंट हो गया। बिरहा गायक और समाजवादी पार्टी के नेता विजय लाल यादव की कार लखनऊ जाते समय बाराबंकी के पास हादसे का शिकार हो गई। विजय की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनकी फारच्यूनर कार के परखचे उड़ गए हैं। बड़े भाई की कार के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी खुद अभिनेता निरहुआ ने ट्विटर के जरिए दी। अपने भाई की हेल्थ अपडेट देते हुए उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उन्हें तुरंत वेदांता हॉस्पिटल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इसके साथ ही अभिनेता ने अपने सभी फैंस से उनके भाई के जल्द ही स्वस्थ होने की कामना करने की भी अपील की। बताया जा रहा है कि विजय लाल यादव की फॉर्च्यूनर काफी तेज गति में जा रही थी। इसी दौरान ड्राइवर संतुलन खो बैठा और तेज रफ्तार कार डिवाइडर से जा टकराई। डिवाइडर से हुई भिड़ंत की वजह से कार हवा में 20 मीटर तक ऊपर उछल गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार पलट गई और उसके परखच्चे उड़ गए। विजय लाल यादव समाजवादी पार्टी सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री रह चुके हैं। वे समाजवादी पार्टी के सदस्य के रूप में इस बार आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में प्रचार करते भी नजर आए थे। हालांकि, उन्होंने अपने भाई दिनेश लाल यादव निरहुआ की जगह सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव का समर्थन किया था।

बारिश के बाद हुए जलभराव को लेकर अखिलेश का तंज, कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुजरात पर्यटन के विज्ञापन में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की मशहूर पंक्ति कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में की तर्ज पर गोरखपुर में बारिश के कारण हुए जलभराव पर तंज कसते हुए कहा, कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में। यादव ने सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर बृहस्पतिवार को जलभराव की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, यह है भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के राज में विकास की झीलों से सजा॰ भाजपाई भ्रष्टाचार का भाजपाताल: जल नगर गोरखपुर। उन्होंने गुजरात पर्यटन की मशहूर पंक्ति कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में की तर्ज पर कहा, गोरखपुर पर्यटन आपको आमंत्रित करते हुए कह रहा है : कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में। गौरतलब है कि गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है।

कन्हैयालाल के हत्यारों के समर्थन में मेरठ में आतिशबाजी कर रहे बाप-बेटे गिरफ्तार

मेरठ। उदयपुर की घटना की जब पूरा देश निंदा कर रहा है, तब मेरठ के एक गांव में शर्मनाक घटना सामने आई। उदयपुर घटना के पक्ष में इस गांव के एक पिता-पुत्र ने आतिशबाजी कर डाली। गांव वालों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को धार्मिक भावना भड़काने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यहां से पटाखे भी बरामद किए हैं। घटना सरूरपुर थानाक्षेत्र के मैनापुट्ठी गांव की है। पुलिस ने अपनी ओर से धार्मिक भावनाओं को भड़काने का मुकदमा दर्ज किया है। मंगलवार देर शाम मैनापुट्ठी गांव निवासी मंजूर और उसके बेटे शहजाद ने उदयपुर की घटना को लेकर आतिशबाजी की। इस बीच ग्रामीणों ने यूपी 112 पर कॉल कर शिकायत कर दी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करते हुए मौके से जले और बिना जले पटाखे भी बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के मकान की तलाशी लेकर दोनों आरोपियों को थाने ले आई। आरोपियों से पूछताछ के बाद धार्मिक भावनाओं को भड़काने का मुकदमा दर्ज किया है। एसपी देहात केशव कुमार ने बताया, ग्रामीणों ने सूचना दी कि उदयपुर की घटना को लेकर पिता-पुत्र ने आतिशबाजी की है। इसके बाद दोनों आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है पूछताछ की जा रही है।

युवक को अगवाकर हत्या, घर में पर्ची फेंककर बताया कहां पड़ी है लाश, पांच दिन से लापता था

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ के देहात इलाके के किठौर कस्बे में पांच दिन से लापता एक युवक का गुरूवार को शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गांव ललियाना निवासी युवक साजिद गत पांच दिन से लापता था। गुरुवार सुबह किठौर क्षेत्र में परीक्षितगढ़ मार्ग पुल के समीप राहगीरों ने एक युवक का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। वहीं हत्यारों ने आज प्रात:ही साजिद को मौत के घाट उतारने के बाद हाथ से लिखी एक पर्ची मृतक के घर के बाहर फेंक दी। इसमें लिखा था कि साजिद की हत्या कर दी गई है और उसका शव केली रामपुर पुल के पास पड़ा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया है की साजिद की पत्नी की पूर्व में मौत हो चुकी है। साजिद का बड़ा बेटा भी साथ में वेल्डिंग की दुकान पर आता जाता था। साजिद के मेरठ के लिसाड़ीगेट में एक महिला के यहां भी आना जाना था। ऐसे में पुलिस का कहना है कि आसपास के लोगों से पता चला है कि लिसाड़ीगेट की इस महिला से नजदीकी संबंध थे। ऐसे में पुलिस नजदीकी संबंधों में हत्या होना मानते हुए जांच कर रही है। एसपी देहात केशव कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। एसपी देहात का कहना है कि शरीर पर चाकू या गोली के निशान नहीं मिले हैं। हो सकता है की गला दबाकर हत्या की गई हो। चिट्ठी के आधार पर शव बरामद किया गया है। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। इस मामले में मृतक के भाई की ओर से अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया गया है। हत्या की सूचना मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया और हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की।

यूपी के 7 जिलों को चेतावनी, रामगंगा नदी के उत्तराखंड जलाशय से छोड़ा जाएगा पानी

लखनऊ। उत्तराखंड में रामगंगा नदी पर कालागढ़ बांध की तरफ से यूपी में बाढ़ की संभावना है। अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश के सात जिलों को आने वाले दिनों में भारी बारिश की संभावना के बारे में चेतावनी जारी की गई है। यूपी के सात जिले जहां से होकर नदी बहती है, के जिला प्रशासन को तत्काल अतिक्रमण नहीं हटाने पर बड़ी तबाही की चेतावनी दी गई है। पहाड़ियों में भारी बारिश हुई है और जलाशय धीरे-धीरे भर रहा है। यदि जलाशय का स्तर 355 मीटर तक बढ़ जाता है, तो बांध से पानी छोड़ना होगा और इससे यूपी के जिलों के निचले इलाकों में पानी भर जाएगा। जिन जिलों को चेतावनी दी गई है उनमें बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में संबंधित जिला अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा गया है, जलाशय की क्षमता 365 मीटर तक है। एक बार जब जल स्तर 355 मीटर से अधिक हो जाता है, तो अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए बांध के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। इससे निचले इलाकों में निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि किसानों ने कई हेक्टेयर भूमि पर कब्जा कर लिया है, और कुछ ने नदी के किनारे ईंट के घर भी बना लिए हैं और पानी छोड़े जाने पर इन लोगों को खतरे का सामना करना पड़ता है। अधिकारियों के मुताबिक, 30 से अधिक स्थान ऐसे हैं जहां अतिक्रमण हो चुका है। कालागढ़ बांध के अधिकारी नीरज कुमार त्यागी ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश के सात जिलों के प्रशासन को एडवाइजरी जारी की है। वर्तमान में नदी के किनारे अतिक्रमण हैं। इनमें से ज्यादातर अतिक्रमण आबादी वाले क्षेत्रों के पास हैं। बांध का पानी है वर्तमान में 338 मीटर पर। चीजें अभी नियंत्रण में हैं। लेकिन, अगर यह 355 मीटर तक बढ़ जाती है, तो हमें इसे नीचे की ओर छोड़ना होगा, जिससे इस क्षेत्र में कई जगहों पर बाढ़ आ सकती है। बिजनौर के जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कहा कि हमारी तत्काल प्राथमिकता नदी किनारे से इन अतिक्रमणों को हटाना है। जिले में ऐसे अतिक्रमणों को जल्द से जल्द हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

योगी सरकार के सौ दिन होने पर प्रदेश वासियों को तोहफों की झड़ी

हर परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी-रोजगार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सरकार के सौ दिन पूरे होने पर परिवार कार्ड जारी करने का ऐलान किया है। सीएम योगी ने ट्वीट कर कहा- हम लोग %परिवार कार्ड% जारी करने जा रहे हैं। इसके अंतर्गत सरकारी नौकरी, रोजगार या स्वरोजगार से वंचित परिवारों को चिह्नित किया जाएगा। राज्य सरकार का प्रयास होगा कि हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को नौकरी, रोजगार अथवा स्वरोजगार के साथ जोड़ा जाए। गुरुवार को 1.90 लाख कारीगरों और छोटे उद्यमियों को 16 हजार करोड़ का लोन बांटते हुए सीएम योगी ने ऐलान किया कि जल्द ही एक परिवार से एक नौकरी, रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ने की योजना लाई जाएगी। सीएम योगी ने इस दौरान कहा कि जब वो यूपी के सीएम बने थे तब राज्य में छोटे और मध्यम उद्योग लगभग बंद होने के कगार पर थे। उनके सामने राज्य को बेरोजगारी से निकालने की सबसे बड़ी चुनौती थी। इसके लिए सरकार ने स्वावलंबन की दिशा में कदम उठाया और लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश स्वावलंबन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा नौजवान नौकरी देने वाला होना चाहिए ना किस नौकरी मांगने वाला। इसी दिशा में सरकार कोशिश कर रही है कि ऐसे कार्यक्रम लाए जाएं जिससे युवाओं को स्वावलंबी बनाकर स्वरोजगार पैदा किया जा सके।

बदायूं में एटीएम कार्ड के जरिये ठगी करने वाले गिरफ्तार

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं के कोतवाली सहसवान क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के रुपए हड़पने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुलिस ने बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवकों के पास से 35 एटीएम कार्ड एक कार व 20 हजार रूपये नगद बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनो ठग मथुरा के रहने वाले हैं और बरेली, कासगंज, बदायूं, गाजियाबाद, मैनपुरी समेत एक दर्जन से अधिक जिलों में एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के साथ ठगी की घटना को अंजाम देते थे।

जिम्मेदारी के प्रति सजग रहें पुलिस कर्मी: भारद्वाज

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक आरके भारद्वाज ने बताया है कि परिक्षेत्र के तीनों जिलों बस्ती, सिद्धार्थनगर तथा संतकबीर नगर के पुलिस अधिकारियों को निर्देश प्रदान करते हुए कहा गया है कि वे अपने जिम्मेदारी के प्रति सजग रहे।

श्री भारद्वाज ने गुरूवार के 'यूनीवार्ता' से विशेष बातचीत में कहा कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के लिए बस्ती परिक्षेत्र के तीनों जिलों बस्ती,सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर के समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देश प्रदान किया गया है। उनसे कहा गया है कि वे अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग रहे हैं। थाने पर आने वाले पीड़ितों की समस्या सुनकर उनके निस्तारण के लिए त्वरित मौके पर जाये और गंभीरता से लेते हुए मामलों का निस्तारण कराएं चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाया जाये।

उन्होने निर्देश दिये कि अपराधियों पर नजर बनाए रखें जो अपराधी जेल से छूट कर बाहर आए हैं उनकी कार्यवृत्त की निगरानी होती रहे, प्रयास यह रहे कि उन अपराधियों के द्वारा कोई और अन्य अपराध ना होने पाए।

यूपी के कॉलेजों में लेटलतीफी और गैरहाजिरी पर नकेल, चेहरे से होगी अटेंडेंस, तैयारियां पूरी

वाराणसी। यूपी के कॉलेजों में शिक्षकों और कर्मचारियों की लेटलतीफी और गैरहाजिरी पर योगी सरकार की नकेल के बाद तैयारियां पूरी हो गई है। अब कंप्यूटर के सामने चेहरा दिखाने पर ही अटेंडेंस लगेगी। वाराणसी के काशी विद्यापीठ और संस्कृत यूनिवर्सिटी में इसकी तैयारी हो गई है।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के शिक्षकों की फेस इमेज कंप्यूटर में दर्ज की जा रही है।

बायोमैट्रिक अटेंडेंस के लिए प्रशासनिक भवन के साथ ही सभी विभागों में फेस रिकॉग्निशन सिस्टम लगाए जा चुके हैं। पहले चरण में परिसर में कार्यरत सभी स्थायी और अस्थायी शिक्षकों की अटेंडेंस की व्यवस्था होगी। यह पहली जुलाई से शुरू होने की उम्मीद है।

राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल में दो महीने पहले सूबे के सभी विश्वविद्यालयों में बायोमैट्रिक हाजिरी के निर्देश दिए थे।

इसके दृष्टिगत विद्यापीठ के विभागों में फेस रिकॉग्निशन सिस्टम लगाए जाने के बाद अब शिक्षकों के चेहरे सॉफ्टवेयर में रजिस्टर किए जा रहे हैं। पहले चरण में विद्यापीठ के प्रशासनिक भवन में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और संविदा शिक्षकों के साथ कर्मचारियों का पंजीकरण हो रहा है।

सम्पूर्णानंद संस्कृत विवि में भी बायोमैट्रिक अटेंडेंस की तैयारी शुरू हो गई है। वहां फिलहाल फिंगर प्रिंट से हाजिरी लगाने की व्यवस्था की जा रही है।

इसके लिए सिस्टम इंस्टॉल कर दिया गया है। वीसी प्रो. आनंद कुमार त्यागी के अनुसार एक जुलाई से विवि के समस्त विभागों में यह सिस्टम काम करने लगेगा। कर्मचारियों की हाजिरी लगाकर इसी के आधार पर भुगतान की व्यवस्था भी की जाएगी।

सबसे भरोसेमंद सॉफ्टवेयर

बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए फेस रिकॉग्निशन सॉफ्टवेयर सबसे भरोसेमंद है। बायोमेट्रिक के जानकार अनिल शर्मा बताते हैं कि एक मुख्य कंप्यूटर (सर्वर) से इसे जोड़ा जाता है। स्कैनर के सामने खड़े व्यक्ति का चेहरा रिकॉर्ड में दर्ज चेहरे से मिलान कर सॉफ्टवेयर उसकी हाजिरी दर्ज करता है।

किशोरी के साथ जा रहे किशोर को पकड़कर तालिबानी सजा, खंभे से बांधकर पीटा

जौनपुर। जौनपुर में मीरगंज थाना क्षेत्र के तिलौरा बाजार में एक किशोर को प्यार करने पर तालिबानी सजा दी गई है। मनबढ़ों ने बिजली के खंभे से बांधकर पीटा है। घटना का वीडियो वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई है। चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मीरगंज थाना क्षेत्र के बंधवा बाजार निवासी एक किशोर का प्रेम तिलौरा बाजार की एक लड़की से चल रहा था। बताया जाता है की 28 जून को किशोर अपनी प्रेमिका किशोरी के साथ कही घूमने जा रहा था। इसकी जानकारी लड़की के परिजनों को हो गयी। परिजनों ने गांव के लोगों के साथ मिलकर किशोर को पकड़ लिया और घर पर लाकर उसे बिजली के खम्भे में बांधकर पीटना शुरु कर दिया। देखते ही देखते गांव के लोग भी जुट गए। किशोर को पीटने लगे। बेरहमी से की गयी पिटायी से किशोर घायल हो गया। लोगों ने बीच बचाव कर किसी तरह परिवार के लोगों को शांत कराया। किशोर वहां से अपने घर गया। लेकिन पुलिस से इसकी शिकायत नहीं की। पिटायी का वीडियो वायरल हो गया। इसकी जानकारी होते ही किशोर के पिता सत्य प्रकाश ने मछलीशहर कोतवाली में चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी।

इंस्पेक्टर कोतवाली देवानन्द रजक ने बताया कि चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। लड़की के साथ लड़का कहीं घूमने जा रहे थे। परिवार के लोगों ने गांव के लोगों के साथ मिलकर पकड़ लिया था। गिरफ्तार तीनों आरोपित गांव के है।

भाजपा नेता ने की बिजली अफसर की पिटाई, धरने पर बैठे उपखंड अधिकारी

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता द्वारा विद्युत विभाग के एक अधिकारी की कार्यालय के बाहर बुलाकर पिटाई करने के मामले में जिले के सभी उपखंड अधिकारी बृहस्पतिवार को धरने पर बैठ गए। जिले के विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता रंजीत कुमार ने को बताया कि 25 जून को कार्यालय में बैठे उपखंड अधिकारी अनिल कुमार को भाजपा नेता विमल कुमार गुप्ता ने कार्यालय के बाहर बुलाया और अपने साथियों की मदद से उनकी पिटाई कर दी। इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

उन्होंने बताया कि घटना को लेकर अधिकारियों में काफी रोष व्याप्त है और जिले के सभी उपखंड अधिकारी अधीक्षण अभियंता के कार्यालय पर धरने पर बैठ गए हैं, जिसके चलते कार्य बाधित हो रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के जिला सचिव विनोद कुमार ने बताया कि इस घटना के विरोध में धरने को जिले के सभी कनिष्ठ अभियंताओं ने भी समर्थन दिया है और बदायूं, बरेली तथा पीलीभीत में भी अधिकारी आज काली पट्टी बांधकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी भाजपा नेता विमल गुप्ता की अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं होती है तो जिले में सभी अधिकारी तथा जूनियर इंजीनियर पूरी तरह से हड़ताल पर चले जाएंगे। इस बीच, भाजपा जिलाध्यक्ष के. सी. मिश्रा ने बताया कि विमल कुमार गुप्ता पार्टी के गुरगवां मंडल के उपाध्यक्ष हैं और जो भी घटना हुई वह दुर्भाग्यपूर्ण है।

पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने बताया कि पीड़ित उपखंड अधिकारी अनिल कुमार की ओर से मारपीट तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत सदर बाजार थाने में रिपोर्ट 25 जून को दर्ज करा दी गई थी।

मिड लाइफ चैरिटेबल ब्लड बैंक में एसटीएफ का छापा, 301 यूनिट खून बरामद, सात गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित मिड लाइफ चैरिटेबल ब्लड बैंक में एसटीएफ व खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने गुरुवार को छापेमारी की। मानकों के खिलाफ ब्लड बैंक के संचालन की शिकायत हुई थी। खून के अवैध कारोबार का भी आरोप था। टीम ने यहां 301 यूनिट खून बरामद किया। एसटीएफ ने सात लोगों को मौके पर गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

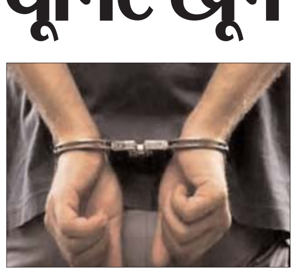

गुरुवार को एसटीएफ को सूचना मिली कि ठाकुरगंज तहसीनगंज इलाके में मिडलाइफ चैरिटेबल ब्लड बैंक का संचालन हो रहा है। एसटीएफ और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने शिकायत के बाद ब्लड बैंक में छापेमारी की।

ब्लड बैंक में ढेरों गड़बड़ियां मिली है। मानकों के खिलाफ ब्लड बैंक का संचालन हो रहा था। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की ड्रग इस्पेक्टर माधुरी सिंह ने बताया कि 301 यूनिट खून बरामद हुआ है।

खून की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए जांच कराई जा रही है। सभी यूनिट खून सीज कर दिया गया है। ब्लड बैंक के संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। उधर, छापेमारी के दौरान ब्लड बैंक में सात कर्मचारी पकड़े गए हैं।

जिनमें से दो लोगों के नाम सामने आए हैं। एक लखनऊ निवासी असद और दूसरा कुशीनगर निवासी नौशाद है जो अवैध खून की सप्लाई करता था। सभी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। अवैध खून के काले कारोबार में लिप्त सभी सातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है।

राजस्थान से आता था ब्लड

जयपुर के तुसली ब्लड बैंक के राहुल हांडा और चिरायु ब्लड बैंक दीपांशु से ब्लड लिया जाता था।

बुधवार को कार से 301 यूनिट आई थी। इसमें मिड लाइफ चैरिटेबल ब्लड बैंक- 122 यूनिट और नारायणी चैरिटेबल ब्लड बैंक कृष्णानगर- 118 यूनिट दी गई थी। कार से 59 यूनिट ब्लड जब्त किया गया है। 7 गिरफ्तार हुए है। 5 यूनिट जांच के लिए भेजा गया।

कन्हैया लाल की हत्या के विरोध में बरेली में प्रदर्शन

बरेली। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी की हत्या के विरोध में बरेली में बजरंग दल की महानगर इकाई ने गुरूवार को प्रदर्शन कर रोष प्रकट किया।

प्रदर्शन कारियों को संबोधित करते हुए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि उदयपुर की घटना धार्मिक उन्माद का परिणाम है जो विश्व शांति व मानवता के लिए गंभीर चुनौती हैं। इसका मुकाबला सभ्य समाज को करना होगा।

उन्होंने उदयपुर के हत्यारों की फास्ट ट्रेक कोर्ट में सुनवाई तथा छह माह में अभियुक्तों को फांसी दिये जाने की मांग की। उन्होने कहा कि जब तक जिहाद के संबंध में भ्रांतिया फैलाई जाती रहेंगी, तब तक ना तो विश्व में शांति रहेगी और ना ही सांप्रदायिक सद्भाव।

सरकारें तो इनको कानून-व्यवस्था का मामला मान कर निपटेंगी हीं मगर यह एक वैचारिक युद्ध है जिसे विश्व भर के उस सम्पूर्ण सभ्य समाज को लड़ना है जो कि मानवीय मूल्यों, मानवाधिकारों, मानवीय गरिमा तथा महिलाओं की प्रतिष्ठा में विश्वास रखता है। उन्हें अपनी आवाज उठानी होगी। आलोक कुमार ने मुस्लिम समाज का भी आह्वान करते हुए कहा कि वह वर्तमान समय के प्रवाह को समझकर अपनी विचारधारा को दुरुस्त करे।

यूपी में कोरोना बम फटा, 98 लोग कोविड पॉजिटिव

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में कोरोना वायरस का प्रकोप थम नहीं रहा है। पिछले एक सप्ताह से संक्रमितों का आंकड़ा 90 के पार है। बारिश से संक्रमण के प्रसार का खतरा बढ़ गया है। इसके लिए चेतावनी जारी की जा रही है। लोगों को समंभलकर रहने की सलाह दी जा रही है। गुरुवार को 98 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। सबसे ज्यादा कैसरबाग में लोग संक्रमण की चपेट में मिले। यहां 22 लोगों में वायरस की पुष्टि हुई है। रेडक्रास में 14, अलीगंज में 12, इंदिरानगर में 6, चिनहट में 11 लोग वायरस की चपेट में मिले हैं। लखनऊ में तेज से कोरोना वायरस संक्रमित बढ़ रहे हैं।

सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि संक्रमण पर काबू पाने के लिए एहतियात बरतें। बिना मास्क घर से बाहर न निकलें। भीड़-भाड़ में जाने से बचें। उन्होंने बताया कि वैक्सीन की डोज बारी आने पर जरूर लगवाएं। इसमें किसी भी तरह की कोताही ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि अभी करीब 16 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। होमआईसोलन के मरीजों की नियमित निगरानी की जा रही है। संक्रमण की पहचान के लिए रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) को बढ़ाने की कवायद चल रही है। इसका प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा जा चुका है।

संक्रमित मरीजों में से ज्यादातर या तो किसी अन्य संक्रमित मरीज के संपर्क में आए हैं या उन्होंने हाल ही में कहीं यात्रा की हैं।

वहीं सीएम योगी ने कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए थे। अधिकारियों से इस स्थिति पर नजर बनाए रखने और अस्पतालों में चिकित्सकीय उपकरणों के साथ डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता को गहनता से परखने के निर्देश दिए थे।

उन्होंने कहा था कि बीमारी से लड़ने के लिए पहले ही आवश्यक दवाओं के साथ मेडिसिन किट भी तैयार करा ली जाएं।

मेरठ के सिपाही का मथुरा में फंदे से लटका मिला शव

मथुरा। मेरठ के एक सिपाही का शव यूपी के मथुरा जिले के नौहझील में मिला। नोहझील थाने में तैनात सिपाही का शव फंदे से लटका मिला। जानकारी के मुताबिर सिपाही मेरठ जिले का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, मेरठ जिले के थाना बहसूमा के बरावली गांव का रहने वाला 25 वर्षीय आशीष कुमार पुत्र रविंद्र सिंह यूपी पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात था। उसकी तैनाती इस समय नौहझील थाना में थी और वहीं वो एक किराए के

मकान में रहता था। साथ में सिपाही रोहित भी उसी मकान में रहता था। बुधवार की रात तीन बजे आशीष का रूममेट रोहित जब कमरे पर वापस आया तो उसने आशीष का शव फंदे से लटके देखा। कमरे के अंदर शव लटका देख रोहित हैरान रह गया। उसने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

घटना की जानकारी होते ही नौहझील पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंखे से शव को नीचे उतारा और कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जिसके बाद ही अन्य जानकारी दी जाएगी। सिपाही ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने आशीष के घर वालों को घटना की जानकारी दी।

एसएचओ प्रदीप कुमार ने बताया कि साल 2020 बैच के सिपाही ने ऐसा कदम क्यों उठाया, यह साफ नहीं है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। सिपाही ट्रेनिंग के बाद से ही थाना नौहझील में तैनात है। घरवालों और अन्य सिपाहियों से पूछताछ की जाएगी जिससे पता चले कि आशीष किस तनाव से जूझ रहा था कि ऐसा कदम उठाया।

प्रतापगढ़ : सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

प्रतापगढ। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत की गयी कार्रवाई में जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर तहसील प्रशासन ने करीब 10 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी है।

पुलिस सुरक्षा में बुधवार को हुयी इस कार्रवाई में यादव की संपत्ति पर कुर्की का नोटिस चस्पा कर दिया गया है। इसके तहत उनके कालेज में ताला लगाने के साथ ही उनके पैतृक गांव में स्थित जमीन व दूसरे गांवो में स्थित बाग एवं जमीन को स्थानीय प्रशासन ने कुर्क कर लिया है।

गौरतलब है कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के करेटी एवं मऊदारा गांव के निवासी छविनाथ यादव के खिलाफ हत्या, लूट , सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और मारपीट जैसे संगीन मुकदमे दर्ज है। जनपद के भूमाफिया की सूची में भी छविनाथ यादव का नाम शामिल होने के कारण पुलिस डायरी में उन्हें गैंग लीडर के रूप में चिन्हित किया गया है। इसी मामले में छविनाथ यादव के महाविद्यालय सहित 09 करोड़ 83 लाख 96 हजार 104 रुपये की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जिला प्रशासन ने दिया है।

उनकी पत्नी प्रियंका यादव करेटी गांव की और मां शशि प्रभा यादव मऊदारा गांव की प्रधान हैं।

जबकि भाभी सीमा यादव कुन्डा नगर पंचायत की चेयरमैन हैं। छविनाथ का आरोप है कि कुन्डा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के इशारे पर यह कार्यवाही की गयी है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। वे इसके आगे झुकने वाले नहीं हैं।

यादव ने कहा, हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा है, हमें न्याय मिलेगा। पिछले विधान सभा चुनाव में छविनाथ यादव ने कुन्डा विधान सभा क्षेत्र से सपा उम्मीदवार के रूप में जनसत्ता दल के राजा भैया के खिलाफ चुनाव लड़ा था और पराजित हो गये थे।

Clinch ने IAS के साथ उद्योग-अग्रणी स्वचालित टैग रैपिंग समाधान लॉन्च करने के लिए साझेदारी की

विज्ञापनदाता फ्लाइट कंट्रोल, Clinch के ओमनीचैनल कैपेंन प्रबंधन प्लेटफॉर्म, के सभी अभियानों में आसानी से IAS का सत्यापन समाधान सक्रिय कर सकते हैं

न्यूयॉर्क। डायनामिक विज्ञापन सेवाओं, वैयक्तिकरण में अग्रणी और फ्लाइट कंट्रोल, ओमनीचैनल कैपेंन प्रबंधन प्लेटफॉर्म की निर्माता Clinch, ने आज उद्योग-अग्रणी स्वचालित टैग रैपिंग समाधान का लाभ उठाने के लिए डिजिटल मीडिया गुणवत्ता में वैश्विक लीडर Integral Ad Science, के साथ साझेदारी की घोषणा की। अब Clinch के साथ काम करने वाले विज्ञापनदाताओं के पास डिस्प्ले व वीडियो अभियानों में IAS सत्यापन सेवाओं को सक्रिय करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया है।

The Trade Desk जैसे शीर्ष डीएसपी के साथ अपने अभिनव एकीकरण के लिए जाना जाने वाला, Clinch अब विज्ञापनदाताओं को सीधे अपने प्लेटफॉर्म, फ्लाइट कंट्रोल के भीतर IASसे तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रदान करता है, जिसमें कुछ ही सेकंड में विज्ञापन सर्वर टैग रैप करने का तेज तरीका शामिल है। विज्ञापनदाता अब स्वचालित रूप से अपने वीडियो में IAS सत्यापन जोड़ सकते हैं और अभियानों को निर्बाध रूप से प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे कैंपेन को तेजी से लॉन्च करने और मीडिया दक्षता को अधिकतम करने में मदद मिलती है।

Clinch के उत्पाद प्रमुख आदि राज ने कहा, हमारे प्लेटफॉर्म के सभी पहलुओं में परिचालन दक्षता विज्ञापनदाताओं और उन प्लेटफार्म और प्रॉक्सी जिनके साथ हम काम करते हैं, दोनों के दृष्टिकोण से Clinch में एक मुख्य फोकस है। IAS की सत्यापन सेवाओं को सीधे हमारे प्लेटफॉर्म में एकीकृत करना और टैग रैपिंग प्रक्रिया को स्वचालित करना इस फोकस के साथ संरेखित करता है और हमारी तकनीक को और भी अधिक सुलभ और उपयोग में आसान बनाता है।

प्रत्येक क्रिएटिव विज्ञापन टैग पर मैन्युअल रूप से IAS के मापन को लागू करने के बजाय, Clinch विज्ञापनदाता सेटअप समय को कम करने और मानवीय त्रुटि को कम करने के लिए स्वचालित टैग रैपिंग का उपयोग कर सकते हैं।

Integral Ad Science के सीएमओ टोनी मारलो ने कहा, हमारा स्वचालित टैग समाधान, अभियानों को लॉन्च करते समय मीडिया गुणवत्ता सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण उद्योग चुनौती, जिसका सामना दुनिया के कई बड़े ब्रॉन्ड करते हैं, का समाधान करता है। हमारे स्वचालित टैग समाधान का विस्तार करने के लिए Clinch के साथ साझेदारी करके, हम विज्ञापनदाताओं के लिए गुणवत्ता वाले इंप्रेशन पर अपने खर्च को लक्षित करना और भी आसान बना देंगे क्योंकि हम एक ब्रांड-सुरक्षित डिजिटल विज्ञापन पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करना जारी रखते हैं।

Clinchके बारे में Clinch ओमनीचैनल वैयक्तिकरण, अभियान प्रबंधन और विज्ञापन प्रस्तुतिकरण में माना हुआ लीडर है। कंपनी की एआई-संचालित गतिशील वैयक्तिकरण तकनीक सभी चैनलों में बड़े पैमाने पर कस्टम-अनुरूप विज्ञापन अनुभव प्रदान करती है, जिससे सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास प्रदर्शन और कंज्यूमर इंटेलीजेंस मिलता है। फ्लाइट कंट्रोल, Clinch का ओमनीचैनल कैंपेन प्रबंधन प्लेटफॉर्म, एजेंसियों और ब्रांडों को एक डेटा-संचालित, स्वचालित प्लेटफॉर्म पर सक्रियण और मापन के माध्यम द्वारा रणनीति से पूरे अभियान जीवनचक्र का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है, जो उन्हें व्यापक रूप से अधिक कुशल और लाभदायक बनाता है। Clinchअभियान सभी डिजिटल चैनलों में चलते हैं जिसमें प्रोग्रामैटिक, कनेक्टेड टीवी , सोशल मीडिया, इन-ऐप, नेटिव और डिजिटल आउट ऑफ होम शामिल हैं। Integral Ad Science के बारे में Integral Ad Science (IAS) डिजिटल मीडिया गुणवत्ता में ग्लोबल लीडर है। IAS प्रत्येक इंप्रेशन को महत्वपूर्ण बनाता है, यह सुनिश्चित करता है कि विज्ञापन वास्तविक लोगों द्वारा सुरक्षित और उपयुक्त वातावरण में देखे जा सकते हैं, प्रासंगिक लक्ष्यीकरण को सक्रिय कर रहे हैं और आपूर्ति पथ को और अधिक अनुकूलित बना रहे हैं। हमारा मिशन दुनिया के अग्रणी ब्रांडों, पब्लिशर और प्लेटफार्मों के लिए डिजिटल मीडिया गुणवत्ता में विश्वास तथा पारदर्शिता के लिए वैश्विक बेंचमार्क बनना है।

हम इसे डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से व्यावहारिक रीयल-टाइम सिग्नल और अंतर्दृष्टि के साथ करते हैं। 2009 में स्थापित और न्यूयॉर्क स्थित मुख्यालय वाली, IAS दुनिया भर में हजारों शीर्ष विज्ञापनदाताओं और प्रीमियम पब्लिशर के साथ काम करती है।

मुद्दों के समाधान के लिए राज्यों से संपर्क में रहें उद्योग : सीतारमण

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योगों को अपने मुद्दों के समाधान के लिए अपने-अपने राज्य की सरकार के साथ संपर्क रखने का सुझाव दिया है।

श्रीमती सीतारमण ने कारोबार के लिए नीति और प्रक्रियाओं में सुधार के मामले में राज्यों की तुलनात्मक रैंकिंग संबंधी रिपोर्ट व्यावसायिक सुधार कार्य योजना (बीआरएपी) 2020 जारी करते हुए यहां गुरुवार को कहा, मैं उद्योगों से राज्यों के साथ संपर्क रखने की अपील करती हूं। जब उद्योग राज्य सरकार के पास जाते हैं और उनसे संपर्क में बने रहते हैं तो सरकारें कठिनाई के बावजूद उनकी मदद के लिए कदम जरूर उठाती हैं। उद्योगों की भूमिका बहुत बड़ी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय-समय पर संवाद करते रहते हैं और वे मिलते भी हैं। इससे यह संकेत है कि केंद्र सरकार सुनने और कदम उठाने के लिए तत्पर रहती है।

श्रीमती सीतारमण ने राज्य सरकारों के दृष्टिकोण में बदलाव की सराहना करते हुए कहा कि भारत में राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू हुयी है और वे आर्थिक सुधारों से परहेज नहीं करते। उन्होंने कहा, कई राज्यों में अच्छी पद्धतियों को अच्छी तरह रिकॉर्ड किया गया है, इससे दूसरे राज्यों के नीति निर्माताओं को उन्हें अपनाने में आसानी होगी।

सीतारमण ने कहा कि महामारी के दौरान और उसके पहले जो कदम उठाए गए थे, उसके फल मिलने लगे हैं और अब यह दिख रहा है कि बदलाव की एक भूख जगी है। उन्होंने सरकारी विभागों में क्षमता निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल केंद्र ही नहीं राज्य और जिला स्तर पर करने की जरूरत है।

श्री सीतारमण ने कहा कि 1990 के दशक के विपरीत आज कोई सुधार शीर्ष नेतृत्व से थोपा नहीं जा रहा है और इसके लिए न ही कोई विवशता है।

उन्होंने राज्य सरकारों की सराहना की कि वे केंद्र के साथ मिल-जुलकर काम कर रहे हैं और ऐसी सूचनाएं साझा करती हैं जिससे वस्तु एवं सेवाकर संग्रह में सुधार हो रहा है।

रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड का वैश्विक खाद्य रिटेल कंपनी 'प्रेट ए मोंजेएर' से गठजोड़

नयी दिल्ली। रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) ने मशहूर फूड चेन ब्रांड 'प्रेट ए मोंजेएर' के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। भारतीय बाजारों में 'प्रेट ए मोंजेएर' ब्रांड को मजबूती देने के लिए दोनों कंपनियां मिलकर काम करेंगी। 'प्रेट ए मोंजेएर' दुनिया भर में अपने ताजा खाने और जैविक कॉफी के लिए मशहूर है। इस फ्रेंचाइज़ी साझेदारी के साथ रिलायंस अब देश भर के प्रमुख शहरों में फूड चेन खोलेगा।

प्रेट ए मोंजेएर की वर्तमान में ब्रिटेन, अमेरिका, यूरोप और एशिया सहित 9 देशों में 550 फूड शॉप हैं। इसकी पहली फूड शॉप 1986 में लंदन में खोली गई थी।

भारतीय बाजारों में रिलायंस ब्रांड्स को लक्जरी और प्रीमियम रिटेलर के रूप में जाना जाता है। पिछले 14 वर्षों में कंपनी ने दुनिया भर के ब्रांडों को डेवलप किया है।

रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड के एमडी दर्शन मेहता ने कहा, प्रेट के साथ हमारी साझेदारी भारत में खाद्य और पेय उद्योग की मजबूत विकास क्षमता में निहित है। आरबीएल भारतीय उपभोक्ताओं की नब्ज पर बारीक नजर रखता है।

ग्राहकों में खाने को लेकर जागरूकता बढ़ी है और रेडी-टू-इट भोजन नया फैशन बन रहा है। दुनिया भर की तरह भारतीय भी ताजा और जैविक सामग्री से बने भोजन का अनुभव लेना चाहते हैं, प्रेट उनकी मांग को अच्छे से पूरा करने में सक्षम है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बाजार में बिकवाली का माहौल रहा जिससे यह नीचे आया। शुरुआती बढ़त खोने और दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 8.03 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 53,018.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का पचास शेयरों वाला निफ्टी भी 18.85 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी नीचे आकर 15,780.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और इंडसइंड बैंक के शेयर टूटे हैं। एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में बढ़त दर्ज की गयी। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिका के शेयर बाजार बुधवार को मिश्रित रुख के साथ बंद हुए।

उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी बाजारों में बिकवाली की गति कम होने से भी अस्थिर घरेलू बाजार को समर्थन मिला।

डॉलर के मुकाबले 80 के स्तर पर जाने बेताब रुपया

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया निचले स्तर पर लगातार गोता लगा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार जल्द ही रुपया 80 के स्तर पर पहुंच सकता है। इसकी पूरी संभावनाएं बन गई है। शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार शेयर बाजार से मुनाफावसूली के साथ निकाल रहा है। घरेलू बाजार में भी कामकाज कमजोर है। जिसका असर अब भारतीय मुद्रा पर तेजी के साथ पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 78.97 पर बंद हुआ। लगातार गिरावट के कारण डालर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर होता जा रहा है रिजर्व बैंक द्वारा डालर के मुकाबले रुपए की कीमत को नियंत्रित करने के लिए कई बार मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप भी किया है। किंतु इसके बाद भी रुपए की गिरावट को रोक पाना रिजर्व बैंक के लिए भी संभव नहीं हो पा रहा है।

पावरग्रिड POWERGRID

पावरग्रिड 11,000 करोड़ जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करेगा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) का निदेशक मंडल बांड और कर्ज के जरिये 11,000 करोड़ रुपए जुटाने के दो प्रस्तावों पर छह जुलाई को विचार करेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की बैठक बुधवार 6 जुलाई को होगी। पावरग्रिड के अनुसार निदेशक मंडल घरेलू बाजार से 6,000 करोड़ रुपए जुटाने पर विचार करेगा। यह राशि सुरक्षित, असुरक्षित, संचयी, विमोच्य, कर योग्य, कर मुक्त डिबेंचर या बांड के जरिये निजी नियोजन आधार पर वित्त वर्ष 2023-24 में 20 चरणों में जुटाई जाएगी। इसके अलावा, निदेशक मंडल कंपनी की पूंजी व्यय जरूरतों को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक बैंक से निश्चित अवधि के लिए 5,000 करोड़ रुपए तक का कर्ज लेने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा।

कारोबार सुगमता रैंकिंग में सात राज्य सफल प्रदेशों की सूची में शामिल

नई दिल्ली। व्यापार सुधार कार्य योजना 2020 को लागू करने के मामले में राज्यों और केंद्र शासमित प्रदेशों की रैंकिंग में आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना सबसे सफल प्रदेशों की श्रेणी के अंतर्गत शीर्ष सात में शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने गुरुवार को इस बारे में रिपोर्ट जारी की। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओड़िशा और मध्य प्रदेश अन्य राज्य हैं, जिन्हें रैंकिंग में लक्ष्य हासिल करने को लेकर सफल राज्यों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आकांक्षी (एस्पायर) श्रेणी में असम, केरल और गोवा सहित सात राज्य शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार उभरते कारोबारी परिवेश की श्रेणी में दिल्ली, पुडुचेरी और त्रिपुरा सहित 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रखा गया है।

मूल्य वर्धित स्टील के लिए पीएलआई योजना के तहत आवेदन अब 31 जुलाई तक

नई दिल्ली। सरकार ने विशेष इस्पात (मूल्य वर्धित स्टील) के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत आवेदन देने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2022 कर दी है। यह चौथा मौका है जब आवेदन की तारीख बढ़ाई गई है। शुरू में मूल्य वर्धित इस्पात विनिर्माताओं के लिये पीएलआई योजना के तहत आवेदन देने की अंतिम तारीख 29 मार्च थी। बाद में इसे बढ़ाकर 30 अप्रैल और फिर 31 मई, 2022 किया गया। इस्पात मंत्रालय की 29 जून को जारी अधिसूचना के अनुसार पीएलआई योजना के तहत मूल्य वर्धित इस्पात के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2022 कर दी गयी है। इसके तहत आवेदन 31 जुलाई, 2022 तक दिए जा सकते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में मूल्य वर्धित इस्पात के विनिर्माण को गति देने के लिए पिछले साल 22 जुलाई को 6,322 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। इस कदम से 40,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश और 5.25 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

अल्ट्राटेक सीमेंट रूस से कोयला आयात करने युआन में कर रही भुगतान!

नई दिल्ली। देश की प्रमुख सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक रूस से कोयला आयात करने के लिए चीन की मुद्रा युआन में भुगतान कर रही है। भारतीय सीमा शुल्क दस्तावेज के अनुसार युआन में भुगतान का मामला बहुत कम ही देखने को मिलता है लेकिन व्यापारियों का कहना है कि अब यह सामान्य हो सकता है। दस्तावेज में बताया गया है कि अल्ट्राटेक सीमेंट रूस की कंपनी एसयूईके से 1,57,000 टन कोयले का आयात कर रही है। इसे रूस के सुदूर पूर्व बंदरगाह वैनिनो से थोक वाहक एमवी मैंगास पर लोड किया गया। इसमें 5 जून के एक चालान का हवाला दिया गया है और उसमें माल का मूल्य 17,26,52,900 युआन (2.581 करोड़ डॉलर) है। इस मामले की जानकारी रखने वाले व्यापार सूत्रों ने कहा कि इस माल की बिक्री की व्यवस्था एसयूईके की दुबई इकाई ने की थी। उन्होंने बताया कि अन्य कंपनियों ने भी युआन में भुगतान के साथ रूस से कोयले के आयात के लिए ऑर्डर दिए हैं। भुगतान के निपटान में युआन के बढ़ते उपयोग से रूस को यूक्रेन पर आक्रमण के कारण पश्चिमी देशों द्वारा उस पर लगाए गए प्रतिबंधों के प्रभाव से बचाने में मदद मिल सकती है। साथ ही इससे चीन को भी अपनी मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण में मदद मिलेगी और वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम किया जा सकेगा।

मारुति सुजुकी इंडिया ने एसयूवी ब्रेजा का नया संस्करण पेश किया

मुंबई।

कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने गुरुवार को अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का नया संस्करण पेश किया। इसकी शुरुआती शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपये है। दूसरी पीढ़ी की नई ब्रेजा 'मैनुअल' और 'ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन' विकल्पों में उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 7.99 लाख से 13.96 लाख रुपये है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने ब्रेजा को पेश कर कहा, ÷पिछले आठ महीनों में यह कंपनी की छठी पेशकश है। यह भारतीय बाजार में हमारे विश्वास को दर्शाता है।÷

ताकेयूची ने कहा, यह हमारा ऐसा पहला मॉडल था जिसे विशेष रूप से भारत के लिए डिजाइन और विकसित किया गया था।÷ मारुति सुजुकी ने मार्च, 2016 में ब्रेजा के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी खंड में प्रवेश किया था। कंपनी ने इसके बाजार में उतरने के बाद से छह साल में 7.5 लाख से अधिक इकाइयां बेची है। उन्होंने कहा, कंपनी ने ग्राहकों की अपेक्षाओं से प्रेरित होकर मॉडल को फिर से डिजाइन किया है।÷नई ब्रेजा उस समय आई है जब मारुति सुजुकी को दक्षिण कोरियाई कार विनिर्माता हुंदै और किआ खंड में क्रमश÷ अपने वेन्यू और सोनेट के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। नई ब्रेजा नए जमाने की तकनीक और 'कनेक्टेड' सुविधाओं से लैस है।

पीसी, मोबाइल फोन, टैबलेट में 2022 में वैश्विक स्तर पर अब तक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज

नई दिल्ली।

आर्थिक मंदी ने सभी डिवाइस सेगमेंट को प्रभावित किया है और 2022 में वैश्विक पीसी शिपमेंट में 9.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो इस साल सभी सेगमेंट की सबसे बड़ी गिरावट है। गार्टनर की एक रिपोर्ट में गुरुवार को इसकी जाकनारी दी गई है। कुल मिलाकर, कुल उपकरणों (पीसी, टैबलेट और मोबाइल फोन) के विश्वव्यापी शिपमेंट में 2022 में 7.6 प्रतिशत की गिरावट की गति है, जिसमें यूरेशिया सहित ग्रेटर चीन और पूर्वी यूरोप में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। जहां इस साल वैश्विक मोबाइल फोन शिपमेंट में 7.1 फीसदी की गिरावट की उम्मीद है, वहीं स्मार्टफोन शिपमेंट में 5.8 फीसदी (साल-दर-साल) की कमी होने का अनुमान है। क्षेत्रीय रूप से, ग्रेटर चीन को कोविड लॉकडाउन के कारण सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा, जिसमें स्मार्टफोन शिपमेंट 18.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ होगा। गार्टनर में वरिष्ठ निदेशक विश्लेषक रंजीत अटवाल ने कहा, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, उच्च मुद्रास्फीति, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के एक आदर्श तूफान ने दुनिया भर में उपकरणों के लिए व्यापार और उपभोक्ता मांग को कम कर दिया है और पीसी बाजार को सबसे कठिन प्रभावित करने के लिए तैयार है। उन्होंने भविष्यवाणी की, उपभोक्ता पीसी की मांग 2022 में 13.1 प्रतिशत घटने की गति पर है और व्यावसायिक पीसी मांग की तुलना में बहुत तेजी से घटेगी, जो कि साल दर साल 7.2 प्रतिशत घटने की उम्मीद है। 2022 में, गार्टनर को उम्मीद है कि दुनिया भर में 5जी फोन शिपमेंट कुल 710 मिलियन यूनिट होंगे। जबकि यह 2021 से 29 प्रतिशत की वृद्धि है, यह पिछली उम्मीदों से कम है। अटवाल ने कहा, वर्ष की शुरुआत में

विकास दर 47 प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि से काफी कम है, जिसके परिणामस्वरूप 95 मिलियन 5जी फोन शिपमेंट का नुकसान हुआ है। 5जी फोन की मांग 2023 में तेज गति से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, 5जी में अधिकतर माइग्रेशन डिफॉल्ट रूप से होगा क्योंकि उपयोगकर्ता अपने जीवन चक्र के अंत में पुराने 4जी स्मार्टफोन को 5जी-संगत स्मार्टफोन से बदल देंगे।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस 12,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में

मुंबई। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने गुरुवार को कहा कि वह 12,000 करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने के लिए अगले महीने शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। शहर मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा प्रवर्तित आवास वित्त कंपनी अगले महीने 26 जुलाई को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करने वाली है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा, ''34वीं सालाना आम बैठक में निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 12,000 करोड़ रुपये तक जुटाने लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी। यह राशि एक या कई किस्तों में जुटाई जाएगी।''

शार्ट न्यूज

डेविस कप : 16-17 सितम्बर को नॉर्वे से भिड़ेगा भारत

नयी दिल्ली। नॉर्वे ने पुष्टि की है कि वह 16 और 17 सितंबर को डेविस कप विश्व ग्रुप मुकाबले में भारत की डेविस कप टीम का सामना करेगा। अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। टेनिस का विश्व कप कहे जाने वाले डेविस कप में भारत 1966, 1974 और 1987 सहित तीन बार फाइनल में पहुंच चुका है। एआईटीए ने यहां जारी एक बयान में कहा, भारत और नॉर्वे डेविस कप के इतिहास में पहली बार एक-दूसरे का सामना करेंगे और हम अपनी टीम की ओर से शानदार टेनिस देखने के लिए उत्सुक हैं।

ख्वाजा और ग्रीन के अर्धशतक, ऑस्ट्रेलिया को 101 रन की बढ़त

गाले। उस्मान ख्वाजा (71) और कैमरून ग्रीन (77) के शानदार अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरूवार को आठ विकेट पर 313 रन बनाकर 101 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंका पहली पारी में 212 रन पर सिमट गया था। ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 98 रन से आगे खेलना शुरू किया। ओपनर उस्मान ख्वाजा ने 47 रन और ट्रेविस हेड ने छह रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। हेड अपने कल के स्कोर पर आउट हो गए। ख्वाजा और ग्रीन ने पांचवें विकेट की साझेदारी में 57 रन जोड़े। ख्वाजा 130 गेंदों में सात चौकों की मदद से 71 रन बनाकर आउट हुए। ग्रीन ने फिर एलेक्स कैरी के साथ छठे विकेट के लिए 84 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को न केवल बढ़त दिलाई बल्कि टीम को भी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। कैरी ने 47 गेंदों में 45 रन बनाये जबकि ग्रीन 109 गेंदों में छह चौकों के सहारे 77 रन बनाकर टीम के 278 के स्कोर पर आउट हुए, कप्तान पेट कमिंस ने मात्र 16 गेंदों में तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 26 रन ठोककर ऑस्ट्रेलिया को दिन की समाप्ति तक 101 रन की बढ़त दिला दी। श्रीलंका की तरफ से रमेश मेंडिस ने 107 रन देकर चार विकेट लिए।

भारतीय हॉकी टीम के दो खिलाड़ी कोरोना संक्रमित

बेंगलुरु। बेंगलुरू में राष्ट्रमंडल खेलों के लिये तैयारी कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दो खिलाड़ी और तीन सहायक कर्मी कोरोना संक्रमित हो गये हैं। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। हॉकी इंडिया ने यहां जारी एक बयान में कहा, वर्तमान में राष्ट्रमंडल खेल 2022 की तैयारी कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दो खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ के तीन सदस्य कोविड-19 से संक्रमित पाए गये हैं। आरटीपीसीआर परीक्षण बुधवार सुबह किया गया। उनमें हल्के लक्षण हैं और उन्हें क्वारंटाइन कर दिया गया है। राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से बर्मिंघम में आयोजित होंगे। मनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत 31 जुलाई को घाना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। राउंड रोबिन लीग मैचों में भारत का सामना पूल बी में मेजबान इंग्लैंड, कनाडा और वेल्स से भी होगा।

सिंधु और प्रणय क्वार्टरफाइनल में

कुआलालंपुर। पूर्व विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु और एच एस प्रणय ने गुरूवार को मलेशिया ओपन के कार्टरफाइनल में जगह बनायी, जबकि सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने विपक्षी जोड़ी को वाकओवर दे दिया। सिंधु ने एक्सियाटा एरिना में हुए दूसरे राउंड के मुकाबले में थाईलैंड की फित्तायापोर्न चैवान को 57 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-9, 21-14 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। प्रणय ने बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को मात्र 35 मिनट में 21-15, 21-7 से हरा दिया।क्वार्टरफाइनल में सिंधु का मुकाबला दूसरी सीड ताई जू यिंग से और प्रणय का मुकाबला सातवीं सीड इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। परुपल्ली कश्यप को थाईलैंड कुनलावुत वितिदसार्न ने 44 मिनट में 21-19, 21-10 से पराजित किया। इस बीच पुरुष युगल सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मलेशिया की विपक्षी जोड़ी को वाकओवर दे दिया। महिला युगल में भारत की श्रीविद्या गुरजाडा और अमेरिका की इशिका जायसवाल को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा।

सिल्वरस्टोन में पोडियम पर जगह बनाना चाहेंगे जेहान

सिल्वरस्टोन। इस हफ्ते के अंत में ऐतिहासिक सिल्वरस्टोन में हिस्सा ले रहे भारतीय रेसर जेहान दारुवाला की नजरें फॉर्मूला-2 खिताबी लड़ाई में और आगे बढ़ने पर होंगी। रेड बुल प्रायोजित ड्राइवर ने बाकू में पिछली बार छठे राउंड में पांचवीं बार पोडियम पर जगह बनाने के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिद्वंद्वी थियो पोर्चेरे से केवल 10 अंक पीछे रह गये हैं। अब, उसी ब्रिटिश ग्रां प्री स्थल के आसपास मैकलारेन के साथ सफल पहले फॉर्मूला वन टेस्ट से ताजा, 23 वर्षीय अपने फॉर्मूला 2 खिताब झुकाव पर अपने प्रयासों पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रहा है क्योंकि सीजन अपने आधे रास्ते तक पहुंच गया है। फॉर्मूला-3 2019 में रेसिंग करते हुए सिल्वरस्टोन में पोडियम हासिल करने वाले जेहान ने कहा, सिल्वरस्टोन कैलेंडर पर सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक है। ट्रैक तेज, व्यापक है और इसमें कोनों का एक शानदार मिश्रण है जो इसे चारों ओर ड्राइव करने के लिए एक अविश्वसनीय रूप से पुरस्कृत लेआउट बनाता है। मैंने पिछले हफ्ते ही इस ट्रैक पर पिछले साल की मैकलारेन फॉर्मूला वन कार का परीक्षण किया। यह भले ही एक सपने के सच होने जैसा था, पर मेरा पूरा ध्यान इस सप्ताह के अंत में फॉर्मूला-2 पर है। हमारा अब तक का सीज़न बहुत ही सुसंगत रहा है और मुझे विश्वास है कि हम सिल्वरस्टोन के पोडियम तक पहुंच सकते हैं। इटालियन टीम प्रेमा के लिए रेस में हिस्सा लेने वाले जेहान वर्तमान में फॉर्मूला-2 स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर हैं। इस सीजन वह पांच बार पोडियम पर पहुंचे हैं जिसमें से चार बार वह दूसरे स्थान पर रहे हैं। तीन बार के विजेता जेहान इस सीज़न एफ2 खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनना चाहते हैं।

भारत का ध्यान सकारात्मक क्रिकेट खेलने पर

लंदन। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड के साथ होने वाले पांचवे टेस्ट से पहले बुधवार को कहा कि वह इंग्लैंड के हालिया प्रदर्शन से चिंतित नहीं हैं और भारत सकारात्मक क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। द्रविड़ ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, %सच कहूं तो हम एक सकारात्मक टीम रहे हैं। हम पिछले साल समाप्त हुई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे थे। इस साल हम तीसरे स्थान पर हैं, यानी हम काफी सफ़ल रहे हैं। हम 20 विकेट निकालकर टेस्ट मैच जीतने में सफल रहे हैं। यह मेरे लिए सकारात्मक क्रिकेट है। कोच द्रविड़ ने कहा कि लीसेस्टरशायर के खिलाफ हुए मैच में भारत ने अपनी क्षमता के अनुसार अच्छी तैयारी कर ली है।उन्होंने कहा, पिछले हफ्ते, हम लेस्टर में जितनी अच्छी तैयारी कर सकते थे, उतनी अच्छी तरह से की। चार दिवसीय मैच वास्तव में अच्छा रहा। हमारा खयाल है कि हमने अपने लड़कों को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के साथ तैयार किया है। द्रविड़ ने कहा, कुछ खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ और आयरलैंड में भी टी20 श्रृंखला में खेलने से चूक गए हैं, इसलिए हमने इस टेस्ट मैच को प्राथमिकता देने की कोशिश की और यथासंभव सर्वश्रेष्ठ तैयारी करने का प्रयास किया। मुझे लगता है कि हमारा क्रिकेट का ब्रांड एक बहुत ही सकारात्मक ब्रांड है, चाहे मुकाबला किसी भी विपक्ष के खिलाफ हो।

बुमराह बने भारत के 36वें टेस्ट कप्तान

बर्मिंघम। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पांचवे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

28 वर्षीय बुमराह के लिए यह कप्तानी करने का पहला मौका होगा। इससे पहले उन्होंने किसी भी स्तर पर कप्तानी नहीं की हैं।

इसके अलावा वह पिछली सदी में कपिल देव के बाद भारत का नेतृत्व करने वाले पहले तेज़ गेंदबाज़ बनेंगे। बीसीसीआई ने इस बात की भी पुष्टि की कि ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान होंगे।

बुमराह पटौदी ट्रॉफ़ी में 2-1 से आगे चल रही भारतीय टीम के दूसरे कप्तान होंगे। पहले चार टेस्ट मैचों में विराट कोहली ने टीम की कमान संभाली थी। रोहित के साथ-साथ बुमराह पिछले साल भारतीय टीम के उम्दा प्रदर्शन की मज़बूत कड़ी थे। भारत की ओर से सीरीज़ में सर्वाधिक विकेट लेने वाले बुमराह एक साल बाद और अनुभवी हैं और श्रीलंका के ख़िलाफ़ भारत की पिछली टेस्ट सीरीज़ में उपकप्तान भी रह चुके हैं। उस समय बुमराह ने कहा था कि वह प्रेरित हैं और भविष्य में भारत का नेतृत्व करने की ज़िम्मेदारी से हिचकिचाएंगे नहीं।

बुधवार को भारत के प्रमुख कोच राहुल द्रविड़ ने बताया था कि टीम रोहित पर अंतिम फ़ैसला लेने से पहले ज़्यादा से ज़्यादा इंतज़ार करना चाहती है। पिछले हफ़्ते लीसेस्टरशायर के विरुद्ध अभ्यास मैच के दूसरे दिन कोरोना संक्रमित होने के बाद से रोहित के खेलने पर सवालिया निशान उठ खड़े हुए थे। पांच दिनों तक आइसोलेशन में रहने के बाद भी बुधवार और गुरुवार को हुए कोरोना टेस्ट में उनकी रिपोर्ट पॉज़िटिव आई।

पिछले साल शुरू हुई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ को बीच में स्थगित कर दिया गया था जब भारतीय ख़ेमा कोरोना की चपेट में आ गया था।

यह साफ़ है कि रोहित की अनुपस्थिति भारत को कई मायनों में खलेगी। उनके नेतृत्व के अलावा भारत अपने सबसे अच्छे बल्लेबाज़ के बिना इस मैच में उतरेगा। सीरीज़ के पहले चार मैचों में रोहित उस समय इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। ओवल टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच रहे रोहित ने 52 से अधिक की औसत से 368 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक और एक शतक भी जड़ा। केएल राहुल के साथ मिलकर उन्होंने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। तेज़ गेंदबाज़ी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में ख़ुद को ढालने के अलावा रोहित हमेशा बड़े रन बनाने के इरादे से मैदान पर उतर रहे थे। भारत की टेस्ट टीम : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (उप-कप्तान-विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मयंक अग्रवाल

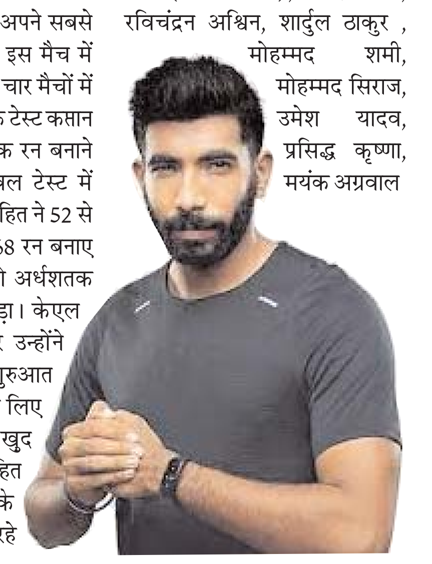

विश्व कप में पदक जीतने के लिये जो करना पड़े, करेंगे : गुरजीत

एम्स्टर्डम। भारतीय महिला हॉकी टीम की शीर्ष डिफेंडर गुरजीत कौर ने कहा है कि भारत एफआईएच महिला विश्व कप में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतर रहा है।

गुरजीत ने एफआईएच हॉकी ते चर्चा कार्यक्रम में महिला हॉकी विश्व कप 2022 के विशेष एपिसोड के दौरान टीम की तैयारियों पर खुलकर चर्चा की। जब उनसे एम्स्टर्डम में भारतीय खेमे के माहौल के बारे में बात की गयी तो उन्होंने कहा, हां, हम यहां आकर रोमांचित हैं। यह मेरा दूसरा विश्व कप है इसलिए मैं इस बार हर पल का स्वाद चखने की उम्मीद कर रही हूं और, संक्षेप में, हम सभी यहां आकर खुश हैं। गुरजीत ने विश्व कप मेज़बान नीदरलैंड के माहौल के बारे में कहा, हॉकी नीदरलैंड में एक प्रमुख खेल है। इस देश में बहुत सारे लोग हॉकी खेलते हैं। हम एक दिन मैदान में गए और कई युवा खिलाड़ियों को हॉकी खेलते हुए देखा; शायद यही कारण है कि नीदरलैंड से इतने सारे विश्व स्तरीय खिलाड़ी निकलते हैं।

गुरजीत ने 2020 टोक्यो खेलों के बाद से भारतीय टीम द्वारा किए गए सुधारों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, टोक्यो खेलों के बाद से हमने बहुत प्रगति की है। हां, हमने टोक्यो में पदक नहीं जीता, लेकिन हमने वहां शानदार प्रदर्शन किया। उस प्रदर्शन ने निश्चित रूप से हमारे मनोबल को बढ़ाया।

उन्होंने कहा, हमने विश्व कप से पहले बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय खेल खेले हैं। हमने कई टूर्नामेंट खेले और पहली बार एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग में भाग लिया। इन सभी मैचों ने अपना प्रदर्शन और आत्मविश्वास बेहतर करने में हमारी मदद की है। गुरजीत ने कहा, हर कोई प्रशिक्षण में बहुत प्रयास कर रहा है। हम सभी इस विश्व कप में पदक जीतना चाहते हैं। हम वास्तव में इस आयोजन के लिए बहुत उत्साहित हैं और पदक जीतने के लिए जो कुछ भी जरूरी है, हम वह सब कुछ करेंगे।

सचिन एकतरफा जीत के साथ इलोर्डा कप के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

नयी दिल्ली। मौजूदा युवा विश्व चैंपियन भारत के सचिन ने गुरुवार को कजाकिस्तान की राजधानी नूर-सुल्तान में यखलास गिलिचजानोव पर 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ इलोर्डा कप में पुरुषों के 57 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सचिन ने तुर्कमेनिस्तान के अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज करने की दिशा में पावर-पैक प्रदर्शन किया। दोनों मुक्केबाजों में सबसे आक्रामक दिख रहे सचिन ने कुशल मुक्केबाजी का शानदार प्रदर्शन किया और पूरे मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा।

इस बीच, सिमरनजीत कौर के अलावा दो अन्य भारतीय मुक्केबाजों की चुनौतियां टूर्नामेंट के दूसरे दिन मिली हार के बाद समाप्त हो गईं।विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकीं सिमरनजीत चीन की जू जिचुन के खिलाफ महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग के अंतिम -8 दौर के मुकाबले में 2-3 से हार गईं।

दूसरी ओर, लक्ष्य चाहर और हर्ष लकड़ा को पुरुष वर्ग में अपने कजाक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 0-5 से हार मिली। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य 86 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अबजल कुट्टीबेकोव से हार गए जबकि हर्ष को 80 किग्रा भार वर्ग के प्रारंभिक दौर के मुकाबले में येरासिल झाकपेकोव ने हराया।

भारत के ख़िलाफ़ टेस्ट के लिए एंडरसन की इंग्लैंड टीम में वापसी

एजेंसी

बर्मिंघम। पिछले हफ़्ते हेडिंग्ले में न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध 97 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलने के बावजूद जेमी ओवर्टन को भारत के ख़िलाफ़ शुक्रवार से शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एकादश से बाहर कर दिया गया है। अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन उनका स्थान लेंगे। कोरोना संक्रमित होने के कारण बीच मैच में तीसरे टेस्ट से बाहर होने वाले बेन फ़ोक्स ठीक नहीं हो पाए हैं और इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह बतौर कोविड सबस्टिट्यूट टीम में लाए गए सैम बिलिंग्स अपना स्थान बरक़रार रखने में सफल हुए हैं।

जेमी की पारी अहम थी क्योंकि इसके चलते उन्होंने जॉनी बेयरस्टो के साथ सातवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 241 रन जोड़े थे। हालांकि उन्हें टीम में अपनी तेज़ गेंदबाज़ी के लिए चुना गया था और वह दोनों पारियों में केवल एक-एक विकेट निकाल पाए। टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने इस मैच में अपने उज्जवल भविष्य की झलकियां दिखाई।

एजबेस्टन टेस्ट से एक दिन पहले स्टोक्स ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी चीज़ें होती रहती है। पिछले हफ़्ते जिम्मी (एंडरसन) पूरी तरह से फ़िट महसूस नहीं कर रहे थे और इसलिए जेमी को खेलने का मौक़ा मिला।

पीठ में जकड़न के कारण फ़ोक्स हेडिंग्ले टेस्ट के तीसरे दिन मैदान से बाहर रहे थे। उसी रात बिलिंग्स टीम के साथ जुड़े और उन्हें एकादश में शामिल किया गया। अंतिम दिन 296 रनों के लक्ष्य को हासिल करने के दौरान बिलिंग्स को बल्लेबाज़ी करने का मौक़ा नहीं मिला।

भारत के ख़िलाफ़ एजबेस्टन टेस्ट पटौदी ट्रॉफ़ी का अंतिम मैच है जिसे पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित कर दिया गया था। 2-1 से पिछड़ रही इंग्लैंड ने उस सीरीज़ की तुलना में अपनी टीम में सात बदलाव किए हैं। शीर्ष क्रम में रोरी बर्न्स और हसीब हमीद की जगह ज़ैक क्रॉली और ऐलेक्स लीस ने ले ली हैं। इसके अलावा डेविड मलान, क्रेग ओवर्टन, मोईन अली, क्रिस वोक्स और ऑली रॉबिंसन अब इस टीम का हिस्सा नहीं हैं।

उंगली में लगी चोट के बाद मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा ब्रेक लेने के बाद स्टोक्स स्वयं इस सीरीज़ का हिस्सा नहीं थे।

उन्होंने बताया कि भले ही वह पिछले चार मैचों को नहीं देख पाए थे, उन्हें पता है कि भारत एक ख़तरनाक टीम है। भारत ने भी इस दौरान अपने कप्तान को बदल दिया जब विराट कोहली ने पद छोड़ा था।

स्टोक्स ने कहा, हम विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीम को 3-0 से हराकर आ रहे हैं। भारत एक बिल्कुल अलग टीम होगी लेकिन हमारा ध्यान अपनी टीम पर हैं। विपक्षी टीम के बदलने से हमारे खेल में कोई बदलाव नहीं आया।

पाकिस्तान में पेपर संकट के चलते किताबें भी नहीं छप रहीं, क्या करेंगे छात्र

नई दिल्ली। भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में अब एक और बड़ा संकट सामने आ गया है। पाकिस्तान में इन दिनों कागज की भयंकर कमी है। हालत यह है कि यहां के कागज संगठनों का कहना है कि इस संकट के चलते अगस्त से शुरू हो रहे अकादमिक सत्र में छात्रों को किताबें नहीं मिल पाएंगी। इस आशंका के बीच पाकिस्तान के शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

दरअसल, इस समय पाकिस्तान में कागज की भारी कमी है। देश के पेपर एसोसिएशन ने कहा है कि देश में पेपर संकट के कारण अगस्त से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक वर्ष में छात्रों को किताबें उपलब्ध नहीं होंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में छपाई और पैकेजिंग में करीब 18000 कंपनियां शामिल हैं। लेकिन सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा अब इन कंपनियों और उनके सप्लाई चेन मैनेजमेंट को भुगतना पड़ रहा है।

उधर इस संकट का असर शिक्षा क्षेत्र पर पड़ेगा। पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान ने भी कहा कि सिंध, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में स्कूल बोर्ड आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए नई पाठ्यपुस्तकें नहीं छाप पाएंगे और लाखों छात्रों को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। इसके अलावा, पाठ्यपुस्तकों की अनुपलब्धता मध्यम वर्ग के छात्रों को प्रभावित करेगी।

पाकिस्तान में प्रिंटिंग और पैकेजिंग से जुड़ी कंपनियों को सरकारी नीतियों के चलते भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किताब प्रकाशकों ने चेतावनी दी है कि अगर देश में बनने वाले कागज के दाम तय नहीं किए जाते हैं कि इस साल छात्रों के लिए किताबों की भारी कमी हो जाएगी। इसके अलावा घरेलू कंपनियां मांग के अनुपात में कागज का उत्पादन भी नहीं कर पा रही हैं।

पब्लिशर्स एंड बुकसेलर एसोसिशएन के प्रमुख अजीज खालिद ने कहा कि जनवरी के बाद से घरेलू कागज के दाम 100 रुपये प्रति किलो बढ़ गए हैं। हर हफ्ते कीमतों में पांच से आठ रुपये का इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस काबू में करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इससे पब्लिशिंग और प्रिंटिंग कंपनियां भारी नुकसान झेल रही हैं। प्रकाशकों के पास भी कागज की भारी कमी चल रही है।

पाकिस्तान में कागज की कमी ऐसे समय हुई है, जब यहां के स्कूल और कॉलेज अगस्त से नए सत्र की तैयारियों में जुटे हैं। प्रकाशकों का कहना है कि कागज की कमी के चलते सिंध, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा के स्कूल बोर्ड नहीं किताबें नहीं छाप सकेंगे। दूसरी तरफ कागज की कमी के चलते इनके दाम आसमान छू रहे हैं। जबकि कुछ स्कूल और कॉलेज छात्रों के परिजनों पर दबाव बनाकर उन्हें महंगे दामों में किताबें खरीदने पर मजबूर कर सकते हैं। गौरतलब है कि प्रत्येक क्षेत्र में पाकिस्तान इन दिनों आर्थिक संकट से ही जूझ रहा है। पाकिस्तान के विशेषज्ञों का मानना है कि इन सभी समस्याओं के लिए अक्षम और असफल शासक जिम्मेदार हैं। आर्थिक समस्याओं का समाधान कैसे होगा जब सरकारें पिछले ऋणों को वापस करने के लिए फिर से लोन ले रही हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के स्टैंड पर चीन भी आया साथ

नई दिल्ली। एक चतुर कूटनीतिक कदम उठाते हुए भारत ने हाल ही में ब्रिक्स प्लस कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रवेश को रोकने के लिए चीन के साथ मिलकर काम किया। यह सब तब हुआ जब ब्रिक्स मेजबान के रूप में चीन ने कथित तौर पर भारत के लिए सहमति व्यक्त की और ब्रिक्स आउटरीच कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रवेश को रोक दिया। इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत के इस कदम को रूस द्वारा भी सहमति मिली थी। दरअसल, इस बार चीन ने वर्चुअल माध्यम से ब्रिक्स समिट की मेजबानी की। 24 जून को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाई-लेवल डॉयलॉग ऑन ग्लोबल डेवलपमेंट का आयोजन किया। जिसमें ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के अलावा गैर ब्रिक्स देशों जैस ईरान, मिस्र, फिजी, अल्जीरिया, कंबोडिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलेशिया भी शामिल हुए।

पाकिस्तान ने कैसे किया शामिल होने का प्रयास

इसी कड़ी में पाकिस्तान ने भी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ब्रिक्स आउटरीच कार्यक्रम में प्रवेश करने का प्रयास किया था लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि ब्रिक्स सम्मेलन में अन्य आमंत्रित लोगों की तरह पाकिस्तान उभरते बाजारों की श्रेणी में फिट नहीं बैठता है और उसकी अर्थव्यवस्था श्रीलंका जैसे बड़े संकट से जूझ रही है। पाकिस्तान कर्ज चुकाने में भी लगातार चूक कर रहा है। उधर चीन में मौजूद भारतीय राजदूत ने कई द्विपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले ही विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी।

पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत पर लगाया आरोप

ब्रिक्स की मीटिंग में कई छोटे देश शामिल हुए लेकिन पाकिस्तान की एंट्री नहीं हो पाई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि ब्रिक्स समिट की एक मीटिंग में कई विकासशील देश शामिल हुए। अफसोस की बात है कि ब्रिक्स के एक सदस्य ने पाकिस्तान की भागीदारी को अवरुद्ध कर दिया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान का इशारा भारत की तरफ था।

फिर भी चीन की तारीफ में लगा है पाकिस्तान

यह बात तो तय है कि भारत के कदम पर चीन की सहमति थी लेकिन पाकिस्तान फिर भी चीन की तारीफ में लगा हुआ है। उधर जब चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन से सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में पाकिस्तान के मुद्दे पर कुछ पूछा गया, तो उन्होंने भी सीधा जवाब नहीं दिया। हालांकि सूत्र यह भी बता रहे हैं कि पाकिस्तान ब्रिक्स में अपने प्रवेश को रोकने के लिए चीन की स्थिति से परेशान है। दूसरी तरफ चीन इस बात से निराश है कि कैसे पाकिस्तान में सरकारों ने देश की अर्थव्यवस्था को गलत तरीके से संभाला है।

बता दें कि चीन की मेजबानी में 23 और 24 मार्च को वर्चुअल तरीके से ब्रिक्स सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन के आखिरी दिन 24 जून को ब्रिक्स बैठकों से अलग वैश्विक विकास पर एक उच्चस्तरीय बैठक होनी थी।

जापान में भीषण गर्मी के बीच बिजली ठप्प

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यों में जून के माह में पिछले 150 वर्ष में सर्वाधिक तापमान गुरुवार को दर्ज किये जाने के बाद यहां बिजली संयंत्र में तकनीकी खराबी आने से बिजली आपूर्ति ठप्प हो गयी। दरअसल, पूर्वोत्तर जापान में एक थर्मल पावर प्लांट ठप्प होने से टोक्यो और उसके आसपास के क्षेत्रों में ब्लैकआउट की आशंका बढ़ गई है। क्योदो न्यूज ने फुकुशिमा प्रान्त में बिजली संयंत्र के संचालक जोबन ज्वाइंट पावर कंपनी के हवाले से कहा कि नंबर नौ इकाई को एक वेंटिलेटर में खराबी आने के बाद स्थानीय समयानुसार तीन बजे बंद कर दिया गया। कंपनी और उद्योग मंत्रालय ने आश्वासन देते हुए कहा कि शाम तक बिजली आपूर्ति फिर से शुरू होने की संभावना है। फिलहाल, बिजली कटौती से जोखिम बढ़ने कोई आशंका नहीं है। क्योदो न्यूज ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से कहा कि बिजली संयंत्र में खराबी होना चिंता का विषय है और यह उस समय खराब हुआ जब टोक्यो का तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस है। ऐसे समय में बिजली की मांग ज्यादा है। इस बीच, दमकल एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि पिछले हफ्ते 4,551 लोगों को हीटस्ट्रोक के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

शंघाई डिजनीलैंड तीन माह के लंबे अंतराल के बाद खुला

शंघाई। कोरोना महामारी के कारण शंघाई डिजनीलैंड ने तीन महीने के लंबे अंतराल के बाद गुरुवार को फिर से अपना संचालन शुरू कर दिया। शहर में कोरोना महामारी कम होने के बाद बुधवार को इसके टिकटों की बिक्री शुरू हो गयी। यहां आने वाले पर्यटकों को हालांकि 72 घंटे के अंदर के न्यूक्लिक एसिड परीक्षण के निगेटिव रिपोर्ट दिखाने होंगे और सभी को मास्क पहनना और पार्क में प्रवेश करने से पहले तापमान जांच कराना आवश्यक है।शिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक डिजनीटाउन और शंघाई डिजनीलैंड होटल ने 16 जून से अपना परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। शंघाई म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म ने बुधवार को कहा कि शहर अपने संग्रहालयों, कला दीर्घाओं और सभी प्रकार के इनडोर और आउटडोर ए- स्तर के पर्यटन आकर्षण को एक जुलाई से फिर धीरे-धीरे खोलेगा।

तुर्की में मंकीपॉक्स का पहला मामला दर्ज

अंकारा। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने कहा कि देश में गुरुवार को मंकीपॉक्स संक्रमण के पहले मामले की पुष्टि हुई। कोका ने ट्वीट किया, हमारे एक मरीज में मंकीपॉक्स का पता चला था। मरीज 37 साल का है और उसमें इम्यून सिस्टम की कमी है। वह आइसोलेशन में है। उन्होंने कहा कि मरीज के साथ संपर्क किया गया और कोई अन्य मामला नहीं मिला। एनटीवी ब्रॉडकास्टर ने बताया कि इस मामले का पता तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में चला। मंकीपॉक्स एक सिल्वेटिक ज़ूनोसिस है, जो मनुष्यों में संक्रमण का कारण बन सकता है। यह रोग अफ्रीका के कुछ हिस्सों में स्थानिकमारी वाला माना जाता था, लेकिन अब यह कई यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी देशों में फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है जो ऑर्थोपॉक्सवायरस से संबंधित है। मंकीपॉक्स के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकावट शामिल हैं।

पाकिस्तान में अगले 15 दिनों में ईंधन की कीमतों और बढ़ोतरी की आशंका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में डीजल और पेट्रोल की घरेलू कीमतों में अगले दो सप्ताह में क्रमशः 16.89 रुपये और 4.55 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा कि पेट्रोलियम लेवी (पीएल) और सामान्य बिक्री कर (जीएसटी) को इस मूल्य वृद्धि से बाहर रखा जाएगा। जानकारी के अनुसार, अगर सरकार जीएसटी के साथ डीजल और पेट्रोल पर पीएल के लिए 10 रुपये/लीटर चार्ज करती है तो एक जुलाई से डीजल की कीमत में भारी वृद्धि होगी। पेट्रोल की एक्स-डिपो कीमत अगले दो सप्ताह के लिए 238.44 रुपये तय की गई है, जो मौजूदा 233.89 रुपये प्रति लीटर है, इसमें 4.55 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 4 नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं।

पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं।

बचाव के उपाय

- खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।
- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

स्टेरॉयड इन्हेलर्स का उपयोग रोकने से अस्थमा के बिगड़ने का खतरा

मौजूदा महामारी में सेहत व स्वास्थ्य को महत्व देना होगा। यह खासकर तब बहुत जरूरी है, जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या फिर आपको किसी बीमारी का इतिहास है। अस्थमा इन्हीं में से एक है। अस्थमा बिगड़ने का मुख्य कारण श्वास की नली में वायरल संक्रमण होना है। अस्थमा के जोखिम वाले लोगों या फिर मौजूदा अस्थमा पीड़ितों के लिए सांस की नली में वायरल संक्रमण बहुत घातक हो सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार सामान्य या फिर गंभीर अस्थमा के मरीजों को बीमारी के और ज्यादा गंभीर होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में लगभग 93 करोड़ लोग सांस की क्रोनिक समस्या से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 3.7 करोड़ एस्थमेटिक हैं। अस्थमा के वैश्विक भार में भारत का हिस्सा केवल 11.1 प्रतिशत है, जबकि विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत है, जिस वजह से भारत दुनिया की अस्थमा कैपिटल बन गया है। अस्थमा पर सांस के वायरस के प्रभाव के चलते यह बहुत आवश्यक हो गया है कि मौजूदा समय में अस्थमा पीड़ित बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। वायरस निर्मित समस्याओं की रोकथाम के लिए अस्थमा को अच्छी तरह से नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है।'' मौजूदा समय में किसी बीमारी के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग या अत्यावश्यक इलाज के लिए जाना पड़ता है ,जहां पर मरीज को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अस्थमा पीड़ितों को कभी भी अपने कॉर्टिकोस्टेरॉयड इन्हेलर तब तक लेना बंद नहीं करना चाहिए, जब तक कोई मेडिकल प्रोफेशनल उनसे ऐसा करने को न कहे। स्टेरॉयड इन्हेलर का प्रयोग बंद करने से मरीज को संक्रमण का ज्यादा खतरा हो जाएगा क्योंकि इससे अस्थमा का नियंत्रण खराब हो जाता है।'' यदि अस्थमा नियंत्रण में है, तो हॉस्पिटल के क्लिनिक जाने से बचें। आप टेलीफोन पर अपने डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें अपनी प्रगति के बारे में बता सकते हैं। एस्थमेटिक मरीजों को बिना योजना के क्लिनिक नहीं जाना चाहिए। सामान्य से गंभीर अस्थमा से पीड़ित लोगों को वायरल संक्रमण से बहुत ज्यादा बीमारी पड़ने का खतरा रहता है। ये संक्रमण आपकी सांस की नली (नाक, गला, फेफड़ों) को प्रभावित करते हैं, अस्थमा का अटैक लाते हैं और इनकी वजह से निमोनिया या एक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज हो सकती है। एक्यूट लक्षणों से आराम के लिए स्पेसर के साथ एमडीआई का उपयोग किया जा सकता है। नेबुलाईजर्स का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें वायरल संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। नेबुलाईजर्स एयरोसोल्स बनाते हैं, जो संक्रमित ड्रॉपलेट्स को कई मीटर तक फैला सकते हैं। आपका डॉक्टर आपको इन विधियों के बारे में परामर्श देगा। सुनिश्चित करें कि आपके पास नॉन-प्रेस्क्रिप्शन दवाईयों एवं सप्लाई का 30 दिनों का स्टॉक हो, ताकि यदि लंबे समय तक आपको घर में रहने की जरूरत पड़े, तो आपको कोई परेशानी न हो।

कई गुणों से भरपूर है नारियल तेल

नारियल तेल के इस्तेमाल के कई फायदे हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

- नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच माक्र्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।
- नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर का मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होता है।
- नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है। स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।
- आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।
- नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।
- नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।
- खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है।

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और वैसे भी भारतीय रसोईघर में लहसुन से मिल जायेगा । इसमें विटामिन, प्रोटीन, खनिज, लवण और फॉस्फोरस, आयरन व विटामिन ए, बी व सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारें में जानते हैं.
लहसुन बैक्टिरीअल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगार साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीडा से इन्फेक्शन को रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहुसन के तेल को गर्म करके दो बूंदें रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। छालनकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एन्टीबैक्टिरीअल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। अगर आप अपने बढते मोटापे से परेशान है तो अपनाएं ये लहसुन की दो कलियां को अच्छे से भून लें और फिर उसमें जीरा सैंधा नमक मिलाकर चूर्ण बना लें। इसको आप रोजाना खाली पेट गर्म पानी से लें। कुछ ही दिनों में मोटापा कम हो जाएगा।

स्वस्थ बनाने के साथ सुंदरता भी बढ़ाती है चीनी

इस भाग-दौड भरी जिन्दगी में हर किसी के कंधों पर काम की जिम्मेदारी इतनी अधिक हो जाती है। कि यह टेंशन कभी-कभी डिप्रेशन का विक्राल रूप धारण कर लेती है जिससे व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है और ना ही डिप्रेशन से बचने के लिए ढेर सारी दवाइयाँ खाने की जरूरत है। आपको जानकर ताज्जुब हो कि सिर्फ चीनी खाने से ही आपको डिप्रेशन से राहत मिल सकती है।

चीनी का प्रयोग फिकेपन को दूर करने को किया जाता है। जब भी आपको शरीर में थकावट या लो महसूस हो तो शुगर से बने पदार्थो का सेवन करें। यह शरीर में शुगर के लेवल को ठीक कर नई ऊर्जा देता है। जैसे फ्रूरड कस्टर्ड, जूस का एक ग्लास, केक का एक टुकडा वगैहर खा कर आप पहले से ज्यादा तरोताजा फील कर सकते हैं।

ब्यूटी बेनेफिट्स

चीनी और नींबू : अगर आप फेस पर कील-मुहांसों से परेशान है तो चीनी में नींबू की कुछ बूंदे मिला ले और इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। अगर आपकी त्वचा धूप की कारण त्वचा काली पड गई है तो 2 चम्मच कॉफी में 1 चम्मच चीनी मिला कर थोडा सा पानी मिलाएं फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे को लगाएं। यकीन मानिये इससे आपको चेहरा साफ और ग्लोंइन हो जाएगा।
सन टैनिंग से परेशान है तो आप चीनी के साथ दही का पेस्ट बना लें फिर इसी पेस्ट से अपने चेहरे को स्क्रब करें, कुछ ही दिनों में सन टैनिंग से राहत मिलेगी।

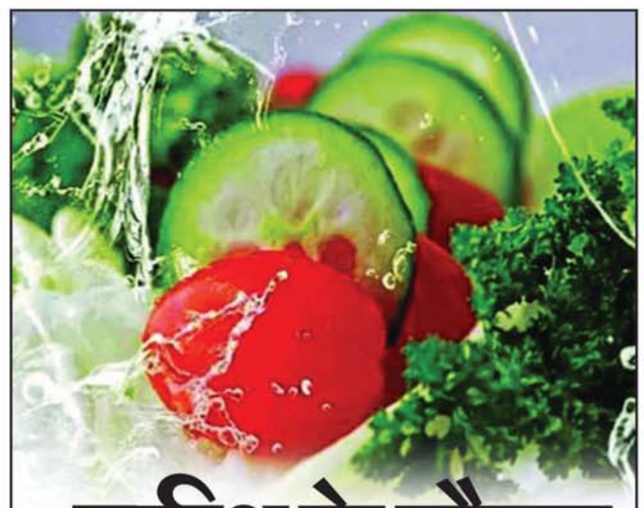

बारिश के मौसम में न करें इन फूड्स का सेवन

बारिश के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इसीलिए इस दौरान हमें खाने-पीने से जुड़ी हुई चीजों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यहां पर आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका बारिश के दौरान सेवन करने से बचना चाहिए।

बारिश के मौसम में न करें इन 5 फूड्स का सेवन होगा, नहीं तो पड़ जाएंगे बीमारबारिश के मौसम में हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें जरा-सी की गई लापरवाही हमारी सेहत के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर देती है। बारिश के मौसम में ज्यादातर लोगों को बीमार पड़ते हुए देखा जाता है क्योंकि गर्मी का मौसम खत्म होने के बाद से तापमान नीचे जाता है और तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नुकसान खाद्य पदार्थों से पहुंचता है और कई प्रकार के फूड्स का सेवन करना बीमारी की प्रमुख वजह भी बन जाता है। इसीलिए यहां पर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका सेवन बारिश के दौरान या फिर सावन के मौसम में आप नहीं करेंगे तो यह आपको बीमारियों से बचाए रखेगा। आपको इसका कारण भी बताया जाएगा कि क्यों इन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

पालक

पालक आपको बारिश के मौसम में भी बड़ी आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसका सेवन ना करने की सलाह दी जाती है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बेहद आसान है। दरअसल बारिश के मौसम में छोटे-छोटे कीटाणु वायरस और बैक्टीरिया जो आंखों से दिखाई भी नहीं देते हैं वह पालक के पत्तों में चिपके रहते हैं। इन कीटाणुओं को भगाने के लिए हानिकारक कीटनाशक का भी प्रयोग किया जाता है, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बैंगन

बारिश के मौसम में कई लोगों के द्वारा बैंगन का चोखा बनाकर भी खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इसका सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, बारिश के मौसम में बैंगन के अंदर छोटे-छोटे कीड़े पड़ना शुरू हो जाते हैं। यह कीड़े पेट दर्द और पेट से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं का प्रमुख कारण भी बन सकते हैं। यही वजह है कि सावन के मौसम में खासकर बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए।

दूध

दूध सेहत के लिए बेहतरीन फायदे पहुंचाता है और हम कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। बारिश के दिनों में दूध का सेवन न करने की सलाह देने के अलग-अलग कारण

बताए जाते हैं। मुख्य रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि बारिश के मौसम में जानवरों को खिलाया जाने वाला हरा चारा बैक्टीरिया और कीटाणुओं का घर बन जाता है। यह दूध की अच्छी क्वालिटी को भी प्रभावित करता है। इस कारण बारिश के दिनों में दूध का सेवन करने से पहले इसे खूब अच्छी तरह उबालना चाहिए। जितना कोशिश हो सके इस दौरान दूध का सेवन करने से बचे रहें और दूध से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के लिए किसी अन्य फूड का सहारा लें।

तले-भुने और स्ट्रीट फूड से करें परहेज

तली भुनी हुई चीजों और खासकर स्ट्रीट फूड का सेवन बारिश के दिनों में नहीं करना चाहिए। इनसे भी संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। स्ट्रीट फूड का सेवन करने के कारण आप विभिन्न प्रकार की परेशानी से जूझ सकते हैं। खासकर यदि आप पानीपुरी का सेवन करते हैं तो पानीपुरी का दूषित पानी डायरिया या फिर लूज मोशन की समस्या खड़ी सकता है। इसलिए बारिश के दिनों में खाने पीने की चीजों में विशेष सावधानी जरूर बरतें।

मांस और मछली

मांस और मछली मुख्य रूप से बारिश के दिनों में नहीं खाना चाहिए। सावन के महीने में खासकर इसका सेवन न करने की सलाह दी जाती है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। इस दौरान हवा में भी कई ऐसे हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं जो मांस और मछलियों को दूषित कर देते हैं। इसके अलावा बारिश के दिनों में मछलियों के अंडे देने का वक्त होता है। अंडा एक विशेष प्रकार की फूड एलर्जी का भी गुण रखता है जो गले में इंफेक्शन हो सूजन का मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए बारिश का सीजन खत्म होने तक नॉनवेज फूड का सेवन करने से बचें।